● वर्ष-4
● अंक-27
रायपुर, रविवार
08 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बिग फैट इंडियन वेडिंग करने का...

रायगढ़ में खुलेगा संगीत महाविद्यालय

संगीत सम्राट महाराज चक्रधर सिंह ने शास्त्रीय कला संगीत को दी विश्व में नई पहचान : मुख्यमंत्री

रायगढ़/रायपुर। संगीत एवं कलाधानी नगरी रायगढ़ में आज 39वें चक्रधर समारोह का भव्य एवं रंगारंग आगाज हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 10 दिन तक चलने वाले इस समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि संगीत सम्राट महाराज चक्रधर ने शास्त्रीय कला संगीत को विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गारंटी को सायं-सायं पूरा कर रही है। उन्होंने प्रदेश के किसानों, गरीबों सहित सभी वर्गों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य के प्रगति के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने स्थानीय कला संस्कृति के साथ-साथ पारंपरिक विरासत को सहेजने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस मौके पर रायगढ़ में संगीत महाविद्यालय प्रांरभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने संगीत और कला के क्षेत्र में योगदान देने वाले संगीत के मर्मज्ञ विद्वतजनों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर रायगढ़ के शैल चित्रों पर आधारित अभिलेखीकरण पुस्तिका एवं चक्रधर समारोह की परिचय पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विगत पांच सालों में चक्रधर समारोह का आयोजन फीका पड़ गया था, अब रायगढ़ के विधायक और हमारे सरकार में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी की पहल से चक्रधर समारोह के आयोजन को और बेहतर तथा भव्य स्वरूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने भरपूर खनिज संपदा से नवाजा है। यहां हीरा, कोयला, लोहा का भरपूर भंडार है, यहां की धरती में भरपूर उर्वरा शक्ति है। मेहनतकश किसान और हम सब मिलकर छत्तीगसढ़ को कृषि प्रदेश बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किए गए वायदे के अनुरूप प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए के भाव से खरीदने का वायदा पूरा किया। तेन्दूपत्ता का पारिश्रमिक दर प्रति मानक बोरा 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500

रूपए किया गया। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को उनके खाते में राशि अंतरित करने का काम कर रही है। श्रीरामलला दर्शन योजना से यहां के लोगों को प्रभु श्रीराम का दर्शन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अभी दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़ को साढ़े आठ लाख से अधिक परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की है, हम इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने चक्रधर समारोह को नये स्वरूप में भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित करने के लिए संस्कृति एवं पर्यटन विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री विनय पाण्डेय द्वारा ब्राम्हीलिपि एवं खरोष्ठी लिपि में अनुसंधान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। श्री पाण्डेय द्वारा इस मौके पर मुख्यमंत्री को ब्राम्ही लिपि में लिखी नाम पट्टिका भेंट की गई। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार ने कहा कि महाराज चक्रधर ने रायगढ़ घराना के कला संगीत को संजोकर रखा है। उन्होंने कला संगीत को देश और दुनिया में एक नई ऊचाई देने का काम किया है। उनके इस योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सम्राट चक्रधर शास्त्रीय कला संगीत के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर कला संस्कृति को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की कला संस्कृति, यहां की विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्परता से काम कर रही है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने चक्रधर समारोह के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा चक्रधर समारोह को एक भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा और आज उसे जिला प्रशासन, संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग के सहयोग से आज भव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित आठ पद्मश्री कलाकार भाग लेने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह की महत्ता अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के विभिन्न प्रांतों के नामी-गिनामी कलाकार यहां अपनी प्रस्तुति देने की अभिलाषा रखते हैं। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए जिला प्रशासन सहित आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद श्री कुंवर देवेन्द्र प्रताप सिंह, रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राजपरिवार के श्रीमती उर्वशी सिंह, श्रीमती बिजया सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

इजरायल पर मोदी सरकार के रुख पर उठा सवाल

सुप्रीम कोर्ट करेगी ऐतिहासिक सुनवाई

नई दिल्ली। मोदी सरकार के इजरायल को समर्थन को लेकर सियासत गर्म हो गई है। विपक्ष इजरायल पर मोदी सरकार के रुख से सहमत नहीं है और अपनी आपत्ति लगातार दर्ज करा रहा है। लेकिन अब ये मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में एक याचिका भी दाखिल हो गई है। देश के पूर्व

राजनयिकों, नौकरशाहों ने सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल करते हुए बड़ी मांग की है। याचिका में कोर्ट से केंद्र सरकार को ये निर्देश देने की मांग की गई है कि वो इजरायल को हथियार और अन्य सैन्य उपकरण उपलब्ध करने वाली भारतीय कंपनियों के लाइसेंस रद्द करे और उन्हें नए लाइसेंस भी न दे। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि गाजा युद्ध के लिए इजरायल को निर्यात किए जा रहे युद्ध सामग्रियों पर तुरंत रोक लगाने का निर्देश दिया जाए। भारत को गाजा में इजरायल को युद्ध सहायता तुरंत निलंबित कर देनी चाहिए।

याचिका में क्या कहा गया- याचिका में कहा गया है कि भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संधियों से बंधा हुआ है जो भारत को युद्ध अपराधों के दोषी राज्यों को सैन्य हथियारों की आपूर्ति नहीं करने के लिए बाध्य करता है। भारत 1948 के नरसंहार कन्वेंशन (जिस पर भारत ने हस्ताक्षर और पुष्टि की है) के तहत नरसंहार को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय करने के लिए बाध्य है। नरसंहार कन्वेंशन का अनुच्छेद ।।। नरसंहार में राज्यों की संलिप्तता को दंडनीय अपराध बनाता है। संभवत: युद्ध अपराधों के दोषी राज्यों को हथियारों की आपूर्ति न करने का दायित्व सीधे तौर पर जिनेवा कन्वेंशन के सामान्य अनुच्छेद 1 पर आधारित दायित्व है, जिस पर भारत ने भी हस्ताक्षर और अनुसमर्थन किया है। इन सम्मेलनों में सन्निहित सिद्धांत अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनिवार्य मानदंड हैं। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 21 गैर-नागरिकों के लिए उपलब्ध है और हथियार और गोला-बारूद निर्यात करने की राज्य की कार्रवाई सीधे तौर पर इजरायल के साथ चल रहे युद्ध के दौरान फिलिस्तीनियों की मौत में मदद और उकसा सकती है और यह सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक समीक्षा के दायरे में आता है। याचिका में कहा गया है कि भारत ने दिसंबर 2023 में गाजा में तत्काल युद्धविराम पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। लेकिन अप्रैल 2024 में युद्धविराम और इज़राइल पर हथियार प्रतिबंध के प्रस्ताव पर मतदान से भारत का अनुपस्थित रहना, भारत की मिलीभगत के बारे में गंभीर सवाल उठाता है।

हमें कम आंकने वालों को पछताना पड़ेगा

आप-कांग्रेस गठबंधन की अटकलों के बीच सांसद संदीप पाठक का बयान

नई दिल्ली। आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन पर अनिश्चितता के बीच, आप के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) संदीप पाठक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी हरियाणा चुनाव में पूरी ताकत के साथ सभी 90 सीटों पर

चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आप नेता ने जोर देकर कहा कि जो लोग हमें कम आंकते हैं उन्हें भविष्य में पछताना पड़ेगा। उन्होंने का हम पूरी तरह से तैयार हैं और पार्टी के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें गो शब्द मिलेगा, हम सब कुछ घोषित कर देंगे। हम सभी सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और जो लोग हमें कम आंकेंगे उन्हें भविष्य में खुद पछताना पड़ेगा। सीट बंटवारे पर असहमति के कारण आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत रुकी हुई है। कथित तौर पर,आप ने 10 सीटों का अनुरोध किया है, जबकि कांग्रेस पांच से सात सीटों की पेशकश कर रही है। हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान होना है और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। इससे पहले, आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि चर्चा जारी है और उम्मीद जताई कि कुछ निष्कर्ष निकलेगा। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन फाइनल होने पर आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, तो उन्होंने कहा, बातचीत चल रही है, इसलिए टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।

हरियाणा बीजेपी में नहीं थम रहा इस्तीफा का दौर

नई दिल्ली। भाजपा नेता और हरियाणा के पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा दे दिया। आर्य जींद के सफीदों से हैं और जेजेपी के बागी विधायक रामकुमार गौतम को विधानसभा चुनाव का टिकट दिए जाने से पार्टी से नाखुश थे। बीजेपी ने गौतम को सफॉन सीट से टिकट दिया है। उन्होंने पार्टी को त्याग पत्र लिखकर प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ प्रदेश कार्यसमिति में अपना पद भी त्याग दिया। दो दिन पहले उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैसले की ओर इशारा किया था। टिकट वितरण से निराश होकर पार्टी से इस्तीफा देने वाले नेताओं की कड़ी में आर्य का इस्तीफा नवीनतम है। इससे पहले 5

सितंबर को हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रणजीत सिंह चौटाला भाजपा द्वारा रानिया विधानसभा से टिकट न दिए जाने से नाराज थे। रानिया सीट से बीजेपी ने शीशपाल कंबोज को मैदान में उतारा है. भाजपा के रतिया विधायक लक्ष्मण नापा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्हें 5 अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए टिकट देने से भी इनकार कर दिया गया था। भाजपा द्वारा चुनाव के लिए 67 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के तुरंत बाद, नपा ने राज्य पार्टी प्रमुख मोहन लाल बडोली को लिखे एक पत्र में कहा कि वह पार्टी छोड़ रहे हैं और इसकी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

प्रमुख समाचार

पाक आर्मी चीफ ने कारगिल युद्ध में भूमिका कबूला

इस्लामाबाद। साल 1999 में फरवरी का महीना था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सदा-ए-सरहद की शुरुआत करने लाहौर पहुंचते हैं। सदा-ए-सरहद बस सेवा को नाम दिया गया था जो दिल्ली और लाहौर के बीच शुरू होनी थी। अटल बिहारी वाजपेयी पहले अमृतसर से बस को हरी झंडी दिखाने वाले थे। लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा कि साहब हमारे दर तक आए और बिना मिले लौट जाए ऐसा हो नहीं सकता। यात्रा का आगाज मेहमानवाजी से शुरू हुआ। जाते जाते अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी बातों से वो समां बांधा कि नवाज शरीफ ने उनको पाकिस्तान से चुनाव लड़ने का न्यौता तक दे डाला। ये सब सुनकर लगता है कि क्या शानदार लम्हा रहा होगा और दोनों देशों के बीच के रिश्ते कितने अच्छे रहे होंगे। लेकिन ये गर्मजोशी चंद महीनों के बीच पाक सेना के जवान कारगिल में कब्जा करके बैठ गए थे। इस घटना को ढाई दशक गुजर गए हैं और आप कह रहे होंगे की आज हम इसकी चर्चा क्यों कर रहे हैं। दरअसल, 25 वर्षों में पहली बार पाकिस्तानी सेना ने सार्वजनिक रूप से 1999 के कारगिल युद्ध में अपनी भागीदारी स्वीकार की है।

अफजल की फांसी पर उमर अब्दुल्ला के बयान से बवाल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अफजल गुरु की फांसी पर सवाल उठाकर नए विवाद को जन्म दे दिया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने उमर अब्दुल्ला पर तगड़ा वार किया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के मुख्य सहयोगी कांग्रेस पार्टी, उनके पुराने पारिवारिक मित्र और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का हालिया बयान निश्चित रूप से कुछ भी नहीं बल्कि उनके नापाक, घृणित, अलगाववादी राष्ट्र-विरोधी डिजाइन का स्पष्ट खुलासा है। भाजपा नेता ने कहा कि जब उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु का मामला फांसी के लायक नहीं है, तो मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या आपके शासन में जांच एजेंसियां गलत तरीके से काम कर रही थीं। उन्होंने सवाल किया कि क्या यूपीए सरकार के दौरान भारत के सुप्रीम कोर्ट ने गलत फैसला दिया था? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं देश के लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि संसद हमले पर फैसले में सुष्ट ने इस शब्द का इस्तेमाल किया था कि यह दुर्लभतम अपराध है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त की गई पूजा खेडकर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विवादों में रही पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पूजा खेडकर पर धोखाधड़ी करने और सेवा में अपना चयन सुनिश्चित करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा लाभ का गलत तरीके से लाभ उठाने का आरोप है। मामले में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार ने पूर्व परिवीक्षाधीन सिविल अधिकारी पूजा खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से बर्खास्त कर दिया है। केंद्र सरकार ने 6 सितंबर, 2024 के आदेश के तहत आईएएस (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया। नियमों के अनुसार केंद्र सरकार परिवीक्षाधीनों को सेवा से बर्खास्त कर सकती है, यदि वे पुन: परीक्षा उत्तीर्ण करने में विफल रहते हैं या यदि केंद्र सरकार को लगता है कि परिवीक्षाधीन सेवा में भर्ती के लिए अयोग्य था या सेवा का सदस्य होने के लिए अनुपयुक्त है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 31 जुलाई को उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी थी.

नए आधार कार्ड के लिए एनआरसी की रसीद जरूरी

गुवाहाटी। असम में अब नए आधार कार्ड के लिए आवेदन करने वाले सभी लोगों को अब अपने एनआरसी आवेदन की रसीद संख्या (एआरएन) जमा करनी होगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या आबादी से अधिक है। इसका मतलब है कि कुछ नागरिक संदिग्ध हो सकते हैं। इसलिए, हमने फैसला लिया है कि नए आवेदकों को अपने एनआरसी आवेदन की रसीद संख्या देनी होगी। उन्होंने कहा कि इससे अवैध विदेशी नागरिकों की घुसपैठ रुक जाएगी और राज्य सरकार आधार कार्ड जारी करते समय बहुत सख्ती बरतेगी। उन्होंने कहा, असम में आधार कार्ड हासिल करना आसान नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, एनआरसी की प्रक्रिया के दौरान जिन 9.55 लाख लोगों की बायोमेट्रिक जानकारी दर्ज हो गई है, उनके लिए एनआरसी आवेदन रसीद संख्या की जरूरत नहीं होगी और वे अपना आधार कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चाय बागान वाले जिन क्षेत्रों में बायोमेट्रिक मशीनों की कमी के कारण कई लोगों को आधार कार्ड नहीं मिला है.

विशेषज्ञों ने टीबी के बढ़ते खतरे को लेकर किया सावधान

नई दिल्ली। भारत साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) को खत्म करने के लक्ष्य के साथ काम कर

रहा है। पर क्या ये वास्तव में आसान है? क्योंकि हाल के वर्षों के आंकड़े कुछ अलग ही कहानी बयां करते हैं। वैश्विक स्तर पर, अनुमानित 10 मिलियन (एक करोड़) लोग टीबी से पीड़ित होते हैं और हर साल दस लाख से ज्यादा मौतें होती हैं। वहीं भारत की बात करें तो यहां सामने आने वाले मामले अब भी वैश्विक टीबी का लगभग 25त्न हिस्सा है। साल 2022 में टीबी के करीब 2.77 मिलियन (27 लाख) केस रिपोर्ट किए गए थे। स्वास्थ्य क्षेत्र में गंभीर व्यावसायिक जोखिमों को रेखांकित करते हुए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि भारत में सामान्य आबादी की तुलना में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच टीबी के मामले बहुत अधिक हैं। साल 2004 से 2023 के बीच किए गए 10 अलग-अलग अध्ययनों के विश्लेषण से पता चला है कि भारत में प्रति एक लाख स्वास्थ्य कर्मियों पर औसतन 2,391.6 मामले हैं। टीबी कई तरह से स्वास्थ्य के लिए गंभीर माना जाता है.

एशियाई भूराजनीति

चीन पर बढ़ती निर्भरता के जोखिम हैं... भारत को जांच परख कर ही व्यापार करना चाहिए

जितेंद्र उत्तम

चीन के साथ भारत के बढ़ते कुल व्यापार घाटे ने नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में चिंता पैदा कर दी है। पिछले कुछ वर्षों में चीन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, जिसके पास औद्योगिक वस्तुओं के व्यापार को नियंत्रित करने की क्षमता है। वैश्विक व्यापार में चीन की प्रमुख भूमिका अप्रभावित प्रतीत होती है। हालांकि कई देश अपने आयात के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता से सहज नहीं हैं, फिर भी चीन ज्यादातर देशों का प्रमुख व्यापार साझेदार बना हुआ है। भारत भी इसका अपवाद नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा भारत के विदेश व्यापार की नवीनतम छमाही समीक्षा, 2024 विश्व व्यापार में चीन की प्रमुख स्थिति की पुष्टि करती है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 की पहली छमाही के दौरान भारत ने चीन को 8.5 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 50.4 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जिसके परिणामस्वरूप 41.9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। भारत के सबसे बड़े व्यापार घाटे वाले साझेदार के रूप में चीन के उदय ने यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि चीन के साथ व्यापार में असंतुलन अब सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह देश की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों की समृद्धि के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है।

चीन से होने वाले लागत-प्रतिस्पर्धी आयात भारतीय एमएसएमई को नुकसान पहुंचा रहे हैं, क्योंकि आयातित उत्पादों में से कई इन स्थानीय व्यवसायों द्वारा बनाए जाते हैं। भारतीय एमएसएमई सस्ते चीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा न केवल उनकी लाभप्रदता को कम कर रही है, बल्कि उनके अस्तित्व को भी खतरे में डाल रही है, जिससे नौकरियां खत्म हो रही हैं और आर्थिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। महत्वपूर्ण औद्योगिक वस्तुओं और प्राकृतिक संसाधनों के लिए आयात पर भारी निर्भरता रणनीतिक दखल की जरूरत को उजागर करती है। घरेलू निर्माताओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने और व्यापार असंतुलन को कुछ हद तक कम करने के लिए भारत ने 2016 से 500 से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। हालांकि, ये उपाय चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करने में अप्रभावी रहे हैं, क्योंकि ऐसे कई कदमों का उद्योग और अन्य सरकारी मंत्रालयों और विभागों ने विरोध भी किया है। हाल ही में, कई सरकारी मंत्रालयों/विभागों ने चीन से आयात पर लक्षित सीमा शुल्क में वृद्धि पर आपत्ति जताई है। उनका तर्क है कि चूंकि चीन से आयात घरेलू उद्योग में उपयोग किया जाता है, इसलिए टैरिफ बढ़ाकर आयात में बाधा डालने से भारतीय विनिर्माण की प्रतिस्पर्धा क्षमता में कमी आएगी। यहां तक कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जिसका उद्देश्य आयात निर्भरता को कम करना है, में भी चीन की महत्वपूर्ण उपस्थिति होगी, क्योंकि इस योजना के 12 विजेताओं में से 11 के आपूर्ति श्रृंखला साझेदार और सेवा प्रदाता चीनी हैं। सरकार और उद्योग के बीच वैचारिक मतभेद समस्या का केवल एक पहलू है।

कई भारतीय निर्माता, जो लंबे समय से चीन से सस्ते सामान का आयात करते हैं, उच्च टैरिफ का विरोध करते हैं। एक ताकतवर आयात लॉबी है, जो चीनी वस्तुओं पर किसी भी प्रतिबंध का विरोध करती है। जबकि भारतीय उद्योग का एक दूसरा वर्ग टैरिफ बढ़ाने की बात करके संरक्षणवाद की वकालत करता है। इसलिए भारत को बड़े पैमाने पर चीन की तरह विनिर्माण को समन्वित और व्यवस्थित करने की जरूरत है। भारत इस मुद्दे को केवल उद्योग जगत पर छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता।

आर्थिक संप्रभुता की रक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए घरेलू उत्पादन को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। भारत ने अन्य देशों की तरह एक ही देश पर निर्भरता के जोखिम को महसूस किया और ज्यादा से ज्यादा मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करके चीन से अलग हो रहा है। भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है। हालांकि इसका नतीजा मिलने में अभी कुछ वक्त लगेगा। व्यापार घाटा पैदा होने के कई कारण होते हैं, इसलिए अर्थशास्त्रियों में अक्सर इस बात पर मतभेद होता है कि निरंतर व्यापार घाटा अच्छा है, बुरा है, या किसी देश और उसकी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत मायने नहीं रखता। लेकिन व्यापार घाटा किसी देश की बचत और निवेश दरों के बीच असंतुलन है। आर्थिक सिद्धांतों के अनुसार, देश को उसकी भरपाई करनी चाहिए। लेकिन हमेशा यह जरूरी नहीं है कि व्यापार घाटा बढ़ने से देश की आर्थिक सेहत पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है।

अमेरिका में कई बार बढ़ते व्यापार घाटे के दौरान मजबूत आर्थिक विकास देखा गया है, क्योंकि उपभोक्ता और व्यवसायी विदेशों से अधिक उत्पाद और सेवाएं खरीदते हैं, और विदेशी निवेशक अपना पैसा अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं।

एक दूसरा उदाहरण पूर्वी एशिया से, जहां कई देशों ने 1990 के दशक में बड़े व्यापार घाटे का सामना किया और विदेशी पूंजी का आगमन हुआ। इनमें से कुछ देशों में थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलयेशिया शामिल थे। उस निवेश का पूरा हिस्सा कुशलता या बुद्धिमत्तापूर्वक आवंटित नहीं किया गया था, और जब 1997 और 1998 में एशियाई वित्तीय संकट पैदा हुआ, तो विदेशी निवेशक तुरंत भाग निकले। इससे ये पूर्वी एशियाई देश वैश्विक वित्तीय बाजारों की दया पर निर्भर हो गए। इसके परिणाम दर्दनाक थे।

बदलने लगी नक्सल प्रभावित इलाके की तस्वीर

बीएसएफ का कैंप स्कूल-छात्रावास में हुआ तब्दील

कांकेर। जिला प्रशासन ने सराहनीय पहल करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो खाली हो चुके कैंप को छात्रावास में तब्दील कर दिया है। अब इसको बच्चों के लिए स्कूल और छात्रावास बनाया गया है। अंतागढ़ इलाक़े के बोंदानार और कधईखोदरा गांवों में स्थित कैंपों में पहले बीएसएफ के कंपनी का संचालन बेस था। नक्सलवाद पर लगाम लगाने के लिए तैनात सुरक्षा बलों ने यहां हालात बेहतर होने के बाद अपनी गतिविधियां अब आगे के क्षेत्र में केंद्रित कर ली हैं। शिक्षकों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बीएसएफ़ का कैंप ख़ाली होने के बाद इसके स्ट्रकचर का इस्तेमाल बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिए किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इस इलाक़े में नक्सलियों की गतिविधियों में कमी आने के कारण बीएसएफ़ कैंप को अंदरूनी इलाक़ों में शिफ्ट किया गया है। हालांकि यहां अब तक बिजली नहीं पहुंची है। बच्चों को सोलर लाइट के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएसएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए बोंदानार शिविर को रावघाट क्षेत्र के पादर गांव में स्थानांतरित कर दिया है। वहीं कधईखोदरा कैंप को पड़ोसी नारायणपुर जिले के जंगलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। वर्ष 2010 में

स्थापित बोंदानार शिविर को पिछले साल फरवरी में स्थानांतरित किया गया, जबकि कधई खोदरा शिविर की स्थापना वर्ष 2015 में हुई थी, जिसे इस साल फरवरी में स्थानांतरित किया गया। अंतागढ़ के अतिरिक्त कलेक्टर बीएस उइके ने भी बताया कि कधई खोदरा गांव वाले कैंप को मौजूदा शैक्षणिक सत्र से सरकारी हाईस्कूल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि दूसरे को पिछले साल ही आदिवासी छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रावास बना दिया गया था। उन्होने बताया कि कधई खोदरा स्कूल में 33 विद्यार्थी नौवीं और 10वीं कक्षा में पढ़ते हैं, जिसमें 16 लड़कियां हैं। वहीं बोंदानार छात्रावास में छठी से 12वीं कक्षा तक के कुल 75 लड़के रहते हैं। उन्होने बताया कि दोनों शिविरों में बच्चों के लिए खेल का मैदान, पेयजल, शौचालय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अंतागढ़ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश बढ़ई ने बताया कि दो शिविरों का स्थानांतरण सुरक्षाबल की ओर से मौजूदा प्रतिष्ठानों के आस-पास के क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत किए जाने का नतीजा है। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए धीरे-धीरे और अधिक शिविरों को आंतरिक इलाकों में स्थानांतरित किया जाएगा। अच्छी बात यह है कि प्रशासन खाली किए गए शिविरों का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों, खासकर शिक्षा के लिए कर रहा है। एक और खाली किए गए शिविर को बिजली उपकेंद्र के रूप में उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है।

हाथियों का आतंक जारी, घर में सो रही महिला पर हमला

गजराज क्यों हुए नाराज, अब तक चार की मौत

कोरबा। कोरबा जिले के बालको वनांचल क्षेत्र में हाथी ने कुचल कर पहाड़ी कोरवा महिला और दो मवेशियों को मौत के घाट उतार दिया। घटना बालको वन परिक्षेत्र पंचायत माखुरपानी गांव गढकटरा की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार के देर रात की घटना बताई जा रही है जहां पर हलाई बाई पहाड़ी कोरवा (75 वर्ष) अपने मकान में सो रही थी इसी बीच दंतैल हाथी ने हमला कर मौत घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही सरपंच एवं वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए हाथी का रेस्कयू शुरू किया।

बताया जा रहा है कि दंतैल हाथी पाली वन मंडल में एक बुजुर्ग को मौत घाट उतारने के बाद बालकों की वन परिक्षेत्र में पहुंच गया है जहां शुक्रवार की रात उसने आतंक मचा है और यहां पहुंचते ही एक महिला और दो मवेशियों को मौत के घाट उतार दिया।

बताया जा रहा है कि 75 वर्षीय पहाड़ी कोरबा हलाई बाई घर पर सो रही थी इस दौरान अचानक से हाथी का दहाड़ सुन कर वो घर पर छुपी हुई थी वही किसी तरह वह हाथी को देख भाग रही थी इस दौरान हाथी ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया वही दो मवेशियों को भी उसने मार दिया। इस घटना के बाद आसपास रहने वाले लोग भी दहशत

में आ गए और किसी तरह रात भर डर के साए में जीने को मजबूर थे इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई जहां वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली और आसपास गांव में मुनादी कराई गई लाउडस्पीकर के माध्यम से हाथी के पीछे-पीछे वहां जा रही थी और लोगों को अलाउंस कर चेतावनी दे रही थी कि गांव में हाथी आया है घर से बाहर न निकले वही जंगल की ओर न जाए।

बालको रेंजर जैन सरकार ने बताया कि रात के वक्त सूचना मिलते हि बीट गार्ड और वन विभाग की तीन मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली गई है वन हमला मौके पर मौजूद है और हाथी पर नजर बनाए रखे हुए हैं।

आपको बता दे हाथी पिछले एक माह से कोरबा जिले के पाली वन परिक्षेत्र में दो लोगों को पहले मौत के घाट उतारा उसके बाद जांजगीर चापा जिले के पंतोरा जंगल में कई दिनों तक डेरा डाला हुआ था उसे रेस्कयू पर खड़े रहने अचानक मार्ग से एक महावत और कुमुदनी हाथी को लाया गया था जो कंट्रोल नहीं होने पर वापस एक सप्ताह बाद लौट गई।पंतोरा जंगल से होते हुए वह बिलासपुर वन मंडल पहुंचा उसके बाद पाली वन मंडल में एक को मौत के घाट उतारा और अब बालको वन मंडल में आतंक मचाया हुआ है।

पिछले एक माह से हाथी जिले में आतंक मचा रहा है वन विभाग तमाम प्रयास कर रही है लेकिन उसके बावजूद भी हाथी का रेस्कयू कर उसे सुरक्षित जंगल में नहीं भेजा जा सका कहीं न कहीं चार लोगों की मौत वन विभाग की एक बड़ी लापरवाही को उजागर करता है।

बारिश से उफान पर नदी-नाले, नक्सल प्रभावित सुकमा में 12 ग्रामीणों का रेस्क्यू

सुकमा। सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत नागाराम में सर्चिंग पर निकले सुरक्षा बल के जवानों ने नाले के दूसरी पार फंसे ग्रामीणों को रस्सी के सहार रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बारिश के मौसम में लगातार हो रही बारिश के प्रभाव से अंदरूनी इलाकों में नदी-नाले इन दिनों उफान पर चल रहे हैं। अंदरूनी इलाकों के आदिवासी ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरत के लिए जोखिम से दो चार होना पड़ता है। जहां एक और बारिश का प्रभाव है तो दूसरी ओर बारिश के दौरान सुरक्षा बलों के द्वारा ऑपरेशन मानसून चलाया जा रहा है। ऐसे में ऑपरेशन मानसून के तहत नागाराम इलाके में सुरक्षा बल के जवान सर्चिंग ऑपरेशन पर निकले हुए थे। तभी जवानों ने देखा कि कुछ ग्रामीण नाले के उस पार फंसे हुए हैं और नाला पार करने का प्रयास कर रहे हैं तो

जवानों ने उन ग्रामीणों की मदद की और रस्सी के जरिए मानव श्रृंखला बनाकर दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों को नाला पार कराया।

गौरतलब है कि सुकमा जिले के 70 फीसदी भूभाग में बारिश का खास प्रभाव देखने को मिलता है। क्योंकि यह नक्सल प्रभावित होने की वजह से ज्यादातर इलाकों में छोटे-छोटे नालों में पुल-पुलियों का निर्माण नहीं हो पाया है। ऐसे में हर बारिश के मौसम में ग्रामीणों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें जैसे राशन वनोपज स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगानी होती है। उफनते नाले को पार करना होता है। आज जवान मौके पर मौजूद थे तो जवानों ने इन ग्रामीणों को सुरक्षित उस पार कर दिया। लेकिन आम दिनों में यह जिम्मेदारी ग्रामीणों को खुद ही उठानी पड़ती है। बीते दिनों बीजापुर में ऐसे ही उफनते नाले को पार करते हुए एक ग्रामीण बह गया था। जिसका शव तीन दिन के बाद मिला था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अंदरूनी इलाकों में ग्रामीण आदिवासियों की जिंदगी कितनी जोखिम भरी होती है।

थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड, पीड़ित से 10 हजार की रिश्वत

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के परपोंडी थाना क्षेत्र में एक बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। जिसमें थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इन पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने एक ठगी के पीड़ित से 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। मामला एक ट्रेडिंग एप के जरिए की गई ठगी से जुड़ा है। जिसमें पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

जानकारी के अनुसार, परपोंडी निवासी मणि देवांगन ने शिकायत की थी कि यूपी के एक आरोपी ने ट्रेडिंग एप के माध्यम से उससे 33 लाख रुपये की ठगी की। आरोपी ने मणि देवांगन को झांसा दिया कि पैसे डबल हो जाएंगे। जब मणि देवांगन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई तो पुलिसकर्मियों ने उस पर आरोप लगाया कि अपराध दर्ज कराने के नाम पर उनसे 10 हजार रुपये की मांग की।

एसपी रामकृष्ण साहू ने मामले की गंभीरता को देखते हुए परपोंडी थाना प्रभारी प्रमोद शर्मा, प्रधान आरक्षक शिवराज सिंह राजपूत, आरक्षक तुकाराम निषाद और बेमेतरा साइबर सेल के प्रधान आरक्षक मोहित चेलक को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। जांच की जिम्मेदारी डीएसपी कमल नारायण शर्मा को सौंपी गई है और उन्हें 10 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट एसपी कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया है।

वहीं ठगी के मुख्य आरोपी विकास वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बेमेतरा के युवक से ट्रेडिंग एप के माध्यम से 33 लाख रुपये ठग लिए थे। विकास वर्मा ने पीड़ित को पैसे डबल होने का लालच दिया और ईमेल व मोबाइल के माध्यम से ठगी की। पुलिस ने आरोपी के पास से नौ एटीएम कार्ड, नौ सिम कार्ड और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। हालांकि, ठगी का मास्टर माइंड अभी भी फरार है और यूपी में उसकी खोजबीन जारी है।

पीएम जनमन योजना से तहत कार्य हुआ स्वीकृत

महुआपनी गांव में पहली बार पहुंचेगी बिजली

जशपुरनगर। आजादी के लंबे इंतजार के बाद विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा बाहुल्य बगीचा ब्लॉक ग्राम पंचायत सूलेसा के महुआपनी में आखिरकार वह दिन आने वाला है, जब अंधेरे को चीरते हुए बिजली की रोशनी पहुंचेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संवेदनशील पहल की वजह से पीएम जनमन योजना के तहत इस गांव में बिजली पहुंचाने कार्य की स्वीकृति मिल चुकी है। बिजली पहुंचने वाली है यह खबर मिलते ही गांव में उत्सव का माहौल है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 85 किलोमीटर दूर बगीचा ब्लॉक के ग्रामपंचायत सूलेसा के महुआपनी में 100 से अधिक विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा समुदाय के परिवार निवासरत हैं। यह इलाका पहाड़ी क्षेत्र और जंगलों के बीच बसा है। ग्रामीणों ने गांव में बिजली नहीं होने की समस्या के बारे में

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन दिया था। कैंप कार्यालय ने उनके मर्म को समझते हुए त्वरित कार्यवाही की। आखिरकार यहां पीएम जनमन योजना से बिजली पहुंचने वाली है।

पीढ़ियों से जंगलों के घने साये में जीवन गुजारने वाले कोरवा जनजाति के गांव में पहली बार बिजली की चमक दस्तक देगी जो की यहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे। यहां के लोग दुनिया से बेहतर तरीके से रूबरू हो पाएंगे। तकनीक की समझ बढ़ेगी जो इनके जीवन में आसानी लाएगी। खबर मिलते ही उत्साहित गांव के आलु राम,भदई राम, खुलु पैकरा, और रामबिसाल यादव ने बताया की बिजली पहुंचने वाली है यह खबर हमारे लिए एक बड़ा उत्सव की तरह है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

रायगढ़ में हड़कंप, अस्पताल में आत्महत्या का प्रयास

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के ओडिसा मार्ग में स्थित गुरू घासीदास मेडिकल कालेज अस्पताल में शुक्रवार की दोपहर उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। जब अस्पताल के तीसरी मंजिले में भर्ती एक मरीज ने कुदकर आत्महत्या कर प्रयास किया। मिली जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ओडिसा मार्ग में स्थित गुरू घासीदास मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती एक मरीज ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा मचाया। बताया जा रहा है कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नही है जिसकी वजह से परिजनों के द्वारा उसे यहां भर्ती कराया गया है। इस दौरान युवक ने शुक्रवार की दोपहर तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की लेकिन गनीगत रही कि वह बीच में अटक गया जिसके बाद वह किसी तरह पहली मंजिल में पहुंचा और यहां भी उसने उत्पात मचाते हुए कांच की खिड़की को तोडकर आत्महत्या करने की कोशिश करता। गार्डो ने साहस दिखाते हुए उपर चढ़कर युवक को पकड़कर नीचे उतारा।

आठ बंदरों का शिकार करने वाला गिरफ्तार

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के साजा वन परिक्षेत्र में हाल ही में आठ हनुमान लंगूरों की हत्या के मामले में प्रमुख आरोपी रामाधार को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी. श्रीनिवास राव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर की गई है। गिरफ्तारी में दुर्ग सर्किल के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) डॉ. केनिली माचिओ और वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) चंद्रशेखर परदेशी के नेतृत्व में राज्य उड़नदस्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामला तब सामने आया जब ग्राम बेलगांव में मरे हुए बंदरों के अवशेष सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वन विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गांव में अपनी टीम भेजी। कई लोगों के बयान दर्ज किए गए और जांच में पता चला कि गांव में बंदरों का आतंक था। जिसे समाप्त करने के लिए अवैध तरीके से बंदरों की हत्या की गई थी। हालांकि, वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बंदर की हत्या करना पूरी तरह से गैर-कानूनी है।

गौ तस्कर अब गाड़ी से नहीं ऐसे ले जाते हैं बूचड़खाने

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में गौ तस्करों ने नया तरीका अपनाते हुए मवेशियों को पैदल बूचड़खाना ले जाना शुरू कर दिया है। अब तक तस्कर आमतौर पर ट्रक का उपयोग करते थे, लेकिन हाल ही में चार आरोपियों को मवेशियों को पैदल ले जाते हुए पकड़ा गया है। इस मामले में पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। 6 सितंबर की रात लगभग साढ़े 12 बजे, कबीरधाम जिले के घोठिया रोड निवासी लोकेश महेश जायसवाल ने पुलिस को सूचना दी कि तीन तस्कर 40 से 50 मवेशियों को सुहागपूर से बदराडीह और महराजपूर के रास्ते एमपी के बूचड़खाना ले जा रहे थे। लोकेश और ग्रामीणों की सहायता से तस्करों को पकड़ने में सफलता मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तस्करों को पकड़ा और त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान समेलाल धुर्वे और गुडन धुर्वे, दोनों निवासी ग्राम दमोह,, और राधेश्याम पटेल और रामसाय यादव, दोनों निवासी ग्राम सोहागपुर के रूप में की है।

शराब से भरी ट्रक लूटने वाला पांच साल बाद गिरफ्तार

बिलासपुर। शराब से भरी ट्रक लूटने के मामले में पांच साल से फरार चल रहे आरोपी 48 वर्षीय जाकिर खान को बिलासपुर पुलिस ने उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। इसके साथ ही अब तक इस मामले में 8 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। घटना 13 नवंबर 2019 की है, जब वेलकम डिस्टलरी छेरकाबांधा, बिलासपुर से देशी शराब की 871 पेटियां, जिसकी कुल कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई थी, एक ट्रक सहित लूट ली गई थी। आरोपियों ने ट्रक ड्राइवर की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर मारपीट की और शराब से भरी ट्रक को लेकर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक सिंह ने 173 (8) के प्रकरणों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कोटा के मार्गदर्शन में थाना कोटा द्वारा फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान जाकिर खान को यूपी के हमीरपुर जिले के परछा गांव से गिरफ्तार किया गया।

घर में घुसा अजगर परिवार के उड़ गए होश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेण्ड्रा के बचरवार गांव के पंडरी पारा में एक विशालकाय अजगर गाय के सार में घुस गया। खूंटे से बंधे हुए बछड़े पर घात लगाए बैठा हुआ था। उसी दौरान घर के मालिक को आहत हुई और उसने तत्काल बिना देर किए मामले की जानकारी सर्पमित्र को दी। मौके पर पहुंचकर सर्पमित्र ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे जंगल मे छोड़ दिया तब कही जाकर सभी ने राहत की सांस ली। बरसात के मौसम में कीड़े मकोड़े, सांप इनसे सावधान रहने की आवश्यकता होती है और ये घरों की ओर आने लगते हैं। ऐसा ही हुआ पेण्ड्रा के बचरवार के पंडरी पारा इलाके में रहने वाले छोटेलाल राठौर के घर में जहां उनके घर के अंदर गाय के रहने वाले सार में एक छोटे से गाय के बछड़े को खूंटे से बांधकर रखा गया था। इस दौरान छोटेलाल राठौर और घर के कुछ सदस्यों को कुछ अजीब सी आवाज आ रही थी। जिसके बाद वे लोग धीरे-धीरे गाय के सार में पहुंचे। इस दौरान उनकी नजर वहां पर स्थित एक खिड़की पर पड़ी। जिसमें एक अजगर बैठा हुआ था।

यहां मुर्दा चला रहा ट्रैक्टर, परिवार को मिला कागज तो उड़ गए होश

सूरजपुर। इस दुनिया में कुछ भी मुमकिन है। ऐसा कुछ भी नहीं जो मुमकिन ना हो। नामुमकिन को मुमकिन बनने में वक्त लगता है। लेकिन एक ना एक दिन असंभव सी चीज संभव हो जाती है। आपने मौत के बाद क्या किसी को वापस आते देखा या सुना है। आपका जवाब होगा बिल्कुल भी नहीं लेकिन हम जो खबर आपको बताने जा रहे हैं उसमें मौत के बाद एक शख्स वापस दुनिया में आया है। वो अकेला नहीं बल्कि ट्रैक्टर के साथ।

सूरजपुर के लटोरी तहसील के जगतपुर गांव में एक अजीब घटना घटी है। यहां पर तहसील दफ्तर के समझदार और कर्मठ कर्मचारियों ने गजब की समझदारी का नमूना पेश किया है।ये वही लोग है जिन्होंने मुर्दे को जिंदा करने का काम किया है। तहसील दफ्तर के कर्मठ कर्मचारियों ने एक परिवार के नाम लोन अदायगी का नोटिस

जारी किया। ये नोटिस जब परिवार के पास पहुंचा तो पूरे परिवार के होश उड़ गए। क्योंकि लगातार आ रहे नोटिस में परिवार को लोन अदा करने को कहा गया है।क्योंकि कागज के मुताबिक परिवार के मुखिया ने लोन से एक ट्रैक्टर लिया और वो अपना खेत जोत रहा है। यदि लोन की किस्त नहीं अदा की गई तो परिवार की संपत्ति और जमीन कुर्क कर ली जाएगी।

अब जरा असल मुद्दे में आते हैं। दरअसल जिस व्यक्ति रामरति के नाम पर ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने का नोटिस आया है।उ स व्यक्ति की सालों पहले मौत हो चुकी है। इस बात की जानकारी भी दी जा चुकी है। और तो और जिस नोटिस में रामरति को ट्रैक्टर का मालिक बताया जा रहा है, परिवार की माने तो ट्रैक्टर लेने वाले ने उसे अपना गारंटर बनाया था। लिहाजा वो ट्रैक्टर भैयाथान निवासी केवला अपने बेटे के साथ लेकर जा चुका है। यानी यहां भी परिवार के साथ धोखाधड़ी हुई।जिस ट्रैक्टर का मालिक रामरति को बनाया गया था,दरअसल उसे ये पता था कि वो सिर्फ गारंटर है।

मृतक की पत्नी ने कहा मेरे पति को गारंटर बनाने की बात कहकर ट्रैक्टर का मालिक बना दिया। ट्रैक्टर को कैलाराम लेकर चला गया। अब नोटिस हमारे पास आया है कि जमीन घर नीलाम कर देंगे।मेरे पास ट्रैक्टर होता तो मैं किसी भी तरह से लोन चुका देती,लेकिन ट्रैक्टर तो भैयाथान में है। मुझे जैसा ट्रैक्टर था वैसा चाहिए तो उसको बेचकर लोन चुकता कर देंगे।

मृतक के बेटा ने कहा गारंटर बनाने की बात मेरे पिता से हुई थी। लेकिन ट्रैक्टर कैलाराम लेकर चला गया। पिता की मृत्यु की जानकारी तहसील ऑफिस में भी दी गई थी।इ सके बाद भी नोटिस आ रहा था। बाद में सूरजपुर जाकर नोटिस रुकवाए हैं।हम लोगों को इंसाफ चाहिए।

इधर जनप्रतिनिधियों को जब इस बात की जानकारी हुई तो तहसीलदार और अफसरों से मिलकर सारी बात को रखा गया। जिसके बाद ये सामने आया कि जिस फाइल से ट्रैक्टर को निकाला गया था,वो फाइल ही विभाग में नहीं है। वहीं एसडीएम की माने तो यदि किसी परिवार के साथ धोखाधड़ी हुई है तो इसकी शिकायत मिलने के बाद जांच कराई जाएगी।जो भी मामले में दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।

गणेश पूजा पर चांद देखना है वर्जित लेकिन यहां आसमान में चंदामामा के साथ बाल गणेश के कीजिए दर्शन

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा में इस बार गणेश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। कई अलग अलग थीम के पंडाल सजाए गए हैं। इनमें से कचहरी चौक पर स्थित चंदामामा पंडाल लोगों को काफी आकर्षित कर रहा है। चंदामामा थीम पर बने इस पंडाल को पूरी तरह इकोफ्रेंडली बनाया गया है।

जाज्वलय देव गणेश उत्सव सेवा समिति के सदस्य प्रिंस शर्मा ने बताया कि पिछले 16 साल से कचहरी चौक में गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। कचहरी चौक के राजा के नाम से भगवान गणेश का उत्सव मनाया जा रहा है। वे बताते हैं कि हर बार अलग अलग थीम पर गणेश पूजा मनाया जाता है। इस बार समिति ने चंदा मामा थीम पर गणेश पंडाल बनाने का फैसला लिया। जिसके बाद कोलकाता से कारीगरों को बुलाया गया। दिनरात मेहनत कर कारीगरों ने पूरा गणेश पंडाल तैयार किया। समिति के सदस्य बताते हैं कि 16 साल पहले कचहरी चौक

के पास स्थित कुएं पर गणेश को बैठाकर गणेश उत्सव मनाया गया था। लेकिन अब जांजगीर और आसपास के क्षेत्र के सभी लोगों के सहयोग से भव्य गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। जाज्वलय देव गणेश उत्सव सेवा समिति के अध्यक्ष विक्की सिंह ने बताया कि भंटगाव के कारीगरों ने मिट्टी की प्रतिमा बनाई है। चंदामामा की थीम पर पंडाल बनाया गया। चांद को जमीन पर उतारकर पंडाल में दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंडाल आकर गणेश भगवान का दर्शन करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री निवास में विराजे भगवान गणेश, साय ने की पूजा अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूजा

अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना कीमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना कीमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर अपने रायपुर निवास में पूरे विधि विधान के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना की। मुख्यमंत्री ने परिजनों के साथ पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वन एवं जल वायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद सहित निवास कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी इस अवसर पर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

टीआई ने दी डीएसपी को जान से मारने की धमकी, एफआईआर दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में डीएसपी को जान

से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। कोई आम आदमी ने नहीं बल्कि निलंबित टीआई ने यह धमकी नहीं दी है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब वायरल हो गया है। मामले की शिकायत पर निलंबित टीआई के खिलाफ कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। नशे में धूत निलंबित टीआई राकेश चौबे का यह वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे डीएसपी निलेश द्विवेदी को गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस मामले को लेकर निलंबित टीआई राकेश चौबे के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले निलंबित टीआई राकेश चौबे 24 मार्च 2023 में देवेंद्र नगर सेक्टर-3 स्थित गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर संचालिका के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की थी। पूरी घटना हॉस्टल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। शिकायत के बाद राकेश चौबे को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाते हुए 8 हजार का जुर्माना भी लगाया था।

डॉ. एसोसिएशन के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री साव से मुलाकात की

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन

आयुर्वेदिक डॉक्टर संघ और इंडियन डेंटल एसोसिएशन के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार की सुबह उपमुख्यमंत्री अरुण साव से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री साव का ध्यान यूजर चार्ज के युक्तिकरण और अनुज्ञप्ति शुल्क की विसंगतियों की ओर आकर्षित कराया। अरुण साव जी ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर हल निकालने का वादा किया है। अरुण साव के निवास स्थान पर ही स्वास्थ्य मंत्री से नर्सिंग होम एक्ट और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में प्रारंभिक बातचीत हुई। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल से अगले सप्ताह समय लेकर सुझावों के बारे में चर्चा किये जाने की बातें कही।

भाजपा की सदस्यता अभियान पर सियासत बैज बोले- भाजपा में शामिल हो रहे अपराधी

रायपुर। भाजपा की सदस्यता अभियान पर

सियासत गरमाई हुई है। इस अभियान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा में अपराधी मिस कॉल देकर शामिल हो रहे हैं। इस बयान पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, दीपक बैज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए। अगर कोई अपराधी है तो दीपक बैज उसका नाम बताएं। कांग्रेस में रहे तो अच्छा, भाजपा में आ जाए तो अपराधी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश में कांग्रेस के आंदोलन को लेकर कहा, कांग्रेस के पास सड़क पर उतरने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। 5 साल कांग्रेस जनता से दूर रही। जनता का शोषण किया, अब तो सड़क पर ही आएंगे। कांग्रेस जांच दल की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो रही, इस पर मंत्री श्यामबिहारी ने कहा, हर घटना में खुद कांग्रेस के आदमी शामिल हैं। जांच दल की रिपोर्ट सार्वजनिक कैसे करेंगे। बलौदाबाजार घटना की रिपोर्ट क्यों नहीं बताते, सबको पता है कि उनके नेता ने भड़काया।

भूपेश, दीपक बताएं कांग्रेस के टिकट बेचने वाले ठेकेदार कौन है : केदार

कांग्रेस की टिकट की खरीदी बिक्री में कौन कौन पैसा खा रहा था सामने आना चाहिए - वन मंत्री

रायपुर। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की टिकट दिलाने के नाम पर हुए लाखों रुपए के लेन-देन के खुलासे को कांग्रेस के लोकतंत्र को कलंकित करने वाला राजनीतिक चरित्र बताया है। श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस मोहब्बत की दुकान के ढोल तो खूब पीटती रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि वह हर स्तर पर सौदेबाजी करने के मौके तलाशती रही है और अब टिकटों की सौदेबाजी की दुकान का भंडाफोड़ हो गया है। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस की काली करतूतें सामने आ रही हैं और सत्य स्थापित होता जा रहा है कि कांग्रेस में लेन-देन करने वाले नेताओं की पैठ बहुत गहरी होती है!

कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने राजनीति को पूरी तरीके से प्रदूषित करके सड़ांध से भर दिया है। अब संगठन और सत्ता में भ्रष्टाचार के आरोप के बाद टिकट बेचने का एक नया मामला सामने आया है, जिस पर बाकायदा थाने में एफआईआर कराके शिकायत की गई है। श्री कश्यप ने कहा कि विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद दलीय लोकतंत्र के नाम पर रचा जाने वाला पाखंड कांग्रेस के असली चेहरे को परत-दर-परत जिस तरह कांग्रेस के ही लोगों ने उधेड़ कर रखा है, उससे कांग्रेस नेतृत्व को शर्म से गड़ जाना चाहिए।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद जिस तरह कांग्रेस के पदाधिकारियों पर अभद्र टिप्पणियाँ की गईं, पैसे लेकर पदों की रेवड़ी बाँटने से लेकर चुनाव की टिकट की खरीद-फरोख्त तक के आरोप लगाए गए, उससे कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति में रचे-बसे भ्रष्टाचार की पोल खुली है। कश्यप ने याद दिलाया कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का एटीएम बना रखा था, जो कांग्रेस के एक महामंत्री ने केंद्रीय नेतृत्व को भेजी अपनी एक चिट्ठी में भी कही है कि %दिल्ली के लिए% छत्तीसगढ़ मौज-मस्ती का अड्डा बन गया था। भ्रष्टाचार कांग्रेस के डीएनए में जिस तरह रच-बस गया है, उसके चलते कांग्रेस भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे संगठन पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने का नैतिक साहस नहीं जुटा पा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस की तत्कालीन प्रदेश प्रभारी शैलजा ने कांग्रेस की चुनाव टिकटों की खरीदी-बिक्री की है और किसी एक नेता को तव्वजो देते हुए बाक़ी संगठन को दरकिनार कर दिया था। कांग्रेस में टिकटों की खरीद-फरोख्त तक का आरोप लगाने वाले विनय जायसवाल कांग्रेस से निकाले जा चुके थे। कांग्रेस के चार दावेदारों से टिकट दिलाने के नाम पर की गई लाखों रुपए की वसूली के ताजा खुलासे को कांग्रेस के शर्मनाक चरित्र का परिचायक बताते हुए कहा महिलाओं के सम्मान के नाम पर इन दिनों रोना-धोना मचा रही कांग्रेस के प्रदेश नेताओं को इस बात पर शर्म महसूस करना चाहिए कि इन दावेदारों में दो महिला नेत्रियों तक को छला गया, जिनमें से एक राजनांदगाँव जिले की अजा वर्ग की हैं और प्रदेश महिला कांग्स की सचिव हैं तो दूसरी महिला नेत्री खल्लारी विधानसभा क्षेत्र की अजजा वर्ग की हैं और पहले जनपद अध्यक्ष रह चुकी हैं। इससे यह भी आईने की तरह एकदम साफ हो गया है कि कांग्रेस अजा-अजजा वर्ग के साथ किस स्तर तक जाकर छल-कपट का आचरपण करती है!

प्रदेश के वन मंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे सवालों की बौछार करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज अब प्रदेश को बताएँ कि आखिर यह टिकट बेचने वाला ठेकेदार कौन है? आखिर इसका पैसा किस तक जाता था? क्या यह सब राहुल गांधी, भूपेश बघेल की जानकारी में हो रहा था क्योंकि इन मामलों की शुरुआती जाँच में यह तथ्य सामने आया है कि ये लाखों रुपए इन दावेदारों से पार्टी फंड के नाम पर वसूले गए थे। टिकट बेचने का निर्णय आखिर किसका था? जिन्होंने टिकट बेचने का यह कृत्य करने का प्रपंच रचा, टिकट-माफिया' के वे लोग कांग्रेस की किस टोली के हैं? चुनावी टिकटों के कांग्रेसी अंडरवर्ल्ड के किस गैंग का हिस्सा हैं?

श्री कश्यप ने कहा कि जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा, कांग्रेस की और भी ऐसी काली कारगुजारियां सामने आती जाएंगीं। राजनीति में यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण मामला सामने आया है, जिसकी भारतीय जनता पार्टी निंदा करती है। जनता कांग्रेस पार्टी पर थू-थू कर रही है। एक ऐसा राजनीतिक दल, जिसमें वैसे भी कोई लोकतंत्र नहीं है, वैसे भी तानाशाही चलती है, अब उस कांग्रेस में टिकटों की बिकवाली भी होने लगी है और इन सबके भंडाफोड़ के बाद कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की क्या हैसियत और क्या इज्जत है, यह इस मामले में प्रमाणित कर दिया है।

नंदकुमार साय हमसे नहीं किया विचार-विमर्श ऑनलाइन ली सदस्यता : किरण सिंह देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान के तहत बस्तर में 90,000 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान में बूथ स्तर के नेताओं से लेकर बड़े नेता भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इसी बीच भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए और अब फिर से भाजपा की ऑनलाइन सदस्यता लेने वाले आदिवासी नेता नंदकुमार साय को लेकर प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने स्पष्टीकरण दिया है।

बीजेपी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नंदकुमार साय ने भाजपा से कोई विचार-विमर्श किए बिना ऑनलाइन सदस्यता ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में साय का हमेशा से सम्मान रहा है और पार्टी ने उनके खिलाफ कभी कोई टिप्पणी नहीं की। देव ने कहा कि पार्टी के साथ विचार-विमर्श के बाद साय की सदस्यता पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और यह प्रक्रिया पूरी होने के

बाद ही सदस्यता की पुष्टि होगी।

आदिवासी नेता साय ने अभियान के पहले दिन ली थी सदस्यता

गौरतलब है कि मंगलवार 3 सितंबर को रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में खुद सदस्यता लेकर बीजेपी सदस्यता अभियान की शुरुआत की। इसी दिन आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने बीजेपी की ऑनलाइन सदस्यता ली थी, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए साझा की थी।

साय राज्य में भाजपा के सबसे बड़े आदिवासी चेहरा थे लेकिन पार्टी में तव्वजो नहीं मिलने से नाराज़ होकर 30 अप्रैल 2023 को उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला कर लिया था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने उन्हें औद्योगिक विकास निगम का अध्यक्ष बनाते हुए कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उन्हें अपने साथ राजनीतिक और शासकीय कार्यक्रमों में साथ लेकर जाते रहे। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद समीकरण बिगड़ गये। विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाये जाने की घोषणा के बाद सबसे पहले उनके घर पहुँचने वाले नेताओं में नंदकुमार साय भी रहे। तब से ही इस बात की अटकलें तेज हो गई थी साय घर वापसी कर सकते है।

सांसदों के साथ रेल अफसरों की हुई बैठक, यात्री सुविधा समेत लेटलतीफी दूर करने की मांग

बिलासपुर। रेल अफसरों के साथ हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने रेलवे के अधिकारियों को गंभीरता से सांसदों के प्रस्तावों और मांगों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिलासपुर मंडल में चल रहे रेल विकास के कार्यों को भी तय समय में पूर्ण करते हुए रेल सुविधाओं का विस्तार करने को कहा है।

बैठक मे सांसदों का कहना था कि, रेल अधिकारी सांसदों के प्रस्तावों पर किसी प्रकार जवाब नहीं देते और ना ही कोई कार्रवाई करते हैं। यही नहीं क्षेत्र और यात्री सुविधाओं के लिए जरूरी प्रस्तावों की भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सांसदों ने इसके साथ लगातार ट्रेनों के रद्द होने, लेटलतीफी और स्टॉपेज खत्म करने के कारण हो रही रेल यात्रियों की परेशानी से भी अधिकारियों को अवगत कराया। सांसदों ने इस दौरान ट्रेनों के स्टॉपेज, तय समय में ट्रेनों के परिचालन, जनरल यात्री कोच बढ़ाने जैसी जरूरी मांगे भी रेलवे के सामने रखीं।

सांसद तोखन साहू ने कहा बैठक का उद्देश्य संसदीय क्षेत्रों में चल रहे रेलवे के विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ यात्री सुविधाएं बढ़ाने पर जोर देना था। इस बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों के सांसदों ने अपनी बातों के रेलवे अधिकारियों के सामने रखा है। जिसके बाद रेलवे ने आश्वासन दिया है कि सभी विषयों पर ध्यान दिया जाएगा।

इस बैठक में प्रमुख रूप से बिलासपुर सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, जांजगीर सांसद कमलेश जांगड़े, शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह, बरगढ़ ओडिशा सांसद प्रदीप पुरोहित और कोरबा और सुंदरगढ़ सांसद के प्रतिनिधि बैठक में मौजूद रहे। सांसदों ने अपने- अपने क्षेत्र के रेल मांगों, समस्याओं और प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए रेल अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर जमकर नाराजगी जताई।

भाजपा विधायक ने उपमुख्यमंत्री को लिखा पत्र

अपराध को रोकने मुख्य मार्गो में सीसीटीवी लगाने की मांग

रायपुर। उत्तर विधानसभा की विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक पुरंदर मिश्रा ने डिप्टी सीएम को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अपराधों को रोकने के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र में सीसीटीवी लगाने की मांग की है।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि मैंने उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में घना एरिया है, जहां हमेशा चहल-पहल रहती है। उत्तर विधानसभा में कपड़ा मार्केट, सरकारी ऑफिस है। सभी मुख्य मार्ग मेरे क्षेत्र में है।

उन्होंने कहा कि मेरे विधानसभा में समस्या को देखते हुए और नशे की तस्करी को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की है। मार्केट क्षेत्रों, मुख्य मार्गो में सीसीटीवी लगाए जाने से अपराधों की रोकथाम होगी और अपराधियों की

पहचान होगी।

बढ़ते अपराध को लेकर पुरंदर मिश्रा ने कहा कि पूर्ववर्तीय सरकार ने अपराध बढ़ाया था। हम उसे रोक रहे हैं। वहीं विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि 5 साल तक कांग्रेस सरकार ने उत्तर विधानसभा में कोई काम नहीं किया। भूमिपूजन से लेकर लोकार्पण तक प्रतिमा बता दें, जो कांग्रेस ने बनाई हो। बता देंगे तो उनके यहां काम करने चला जाऊंगा।

राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों हेतु डीए-डीआर के आदेश जल्दी होंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश महामंत्री ए. के. चेलक के नेतृत्व में शुक्रवार 6 सितंबर को देर रात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में प्रत्यक्ष भेंट कर ज्ञापन सौंपा तथा राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को जनवरी, 2024 से लम्बित डीए डीआर देने हेतु शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने इस पर संघ प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया कि राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों को डीए डीआर देने के आदेश बहुत जल्द जारी होंगे। राज्य कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल में राज्य कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं प्रमुख कर्मचारी नेता टी आर देवांगन, जी आर बसोने, डा विनोद वर्मा, नागेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का राज्य में कैशलेश चिकित्सा योजना लागू करने, नियमित किए गए दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भांति अवकाश नगदीकरण का लाभ देने, शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण आदेश को पूर्ण रूप से निरस्त कर शिक्षा संवर्ग का पदोन्नती हेतु ज्ञापन देकर अनेक अन्य कर्मचारी हितैषी मुद्दों की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया और उन पर शीघ्र कार्यवाही करने हेतु आग्रह किया।

पंडाल में रखी गणेश प्रतिमा के साथ तोड़ फोड़ आक्रोशित युवाओं ने किया थाने का घेराव

रायपुर। रायपुर में गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले शुक्रवार की रात में लाखेनगर में सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडाल में रखी गणेश प्रतिमा को तोडने की घटना पर आक्रोशित युवाओं ने देर रात आजाद चौक थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने फौरन आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना लाखे नगर के पास सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडाल में गणेश चतुर्थी से एक दिन पूर्व रात की है जहां रखी गई गणेश प्रतिमा के निचल हिस्से को एक युवक ने तोड़ दिया। जब समिति के सदस्यों ने ऐसा करने से मना किया तो युवक उनके साथ बतमीजी से पेश आया और अपशब्द कहने लगा। कुछ देर हंगामा करने के बाद वह वहां से फरार हो गया। इसके बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग आजाद चौक थाने पहुंचकर थाने का घेराव किया। घटना की सूचना

मिलते ही एएसपी पश्चिम दौलत राम पोर्ते, एएसपी अनुराग झा, सीएसपी अमन झा समेत 4 थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाने में अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया। फरार आरोपी को पकडने़ के लिए टीम रवाना किया गया। वहीं एक संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। इस घटना को स्थानीय पार्षद ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं मामले को लेकर एएसपी पश्चिम दौलत राम पोर्ते ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की किये जाने का आश्वासन दिया।

रायपुर सहित 9 हवाई अड्डों में डिजी यात्रा की सुविधा

■ केंद्रीय मंत्री नायडू ने किया उदघाटन

रायपुर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शुक्रवार की रात में विशाखापत्तनम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नौ हवाई अड्डों के लिए डिजी यात्रा सुविधा का शुभारंभ किया जिसमें रायपुर के स्वामी विवेकानंद टर्मिनल भी शामिल है। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के आठ अन्य हवाईअड्डों के लिए इस सुविधा को वर्चुअल माध्यम से शुरू किया। ये हवाईअड्डे हैं- कोयंबटूर, डाबोलिम, इंदौर, बागडोगरा, रांची, पटना, रायपुर और भुवनेश्वर हवाईअड्डा।

इस उद्घाटन समारोह के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि किस तरह डिजी यात्रा हवाईअड्डे पर भीड़-भाड़ के दौरान विभिन्न दस्तावेजों- बोर्डिंग पास, पहचान पत्र और लगेज टैग आदि के प्रबंधन के मुश्किल कार्य को सरल बनाती है। एक यात्री के लिए हवाईअड्डे में प्रवेश का समय मैनुअल प्रक्रिया में लगने वाले औसत 15 सेकंड से घटकर 5 सेकंड रह गया है। 55 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पहले ही इस एप को डाउनलोड कर चुके हैं और 3 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्रा के लिए

डिजी यात्रा का उपयोग किया है। 1 दिसंबर, 2022 को तीन हवाईअड्डों- नई दिल्ली, वाराणसी और बेंगलुरु पर पहली डिजी यात्रा सुविधा की शुरुआत के बाद डिजी यात्रा- सक्षम हवाईअड्डों की कुल संख्या 24 हो जाएगी। इनमें आज के नौ हवाईअड्डे शामिल हैं।

मंत्री ने डिजी यात्रा की शुरूआत के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इसकी शुरूआत कोविड-19 महामारी के दौरान बहुत उचित समय पर हुई, जब शारीरिक संपर्क को न्यूनतम करने की जरूरत पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई थी। डिजी यात्रा ने हवाईअड्डा स्थित प्रमुख जांच चौकियों पर संपर्क रहित और कागज रहित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की है। अपनी शुरुआत के बाद से इस प्रणाली ने हवाईअड्डों पर हर दिन हजारों कागज की शीट बचाने में सहायता की है, जिससे नागरिक उड्डयन क्षेत्र में टिकाऊ विकास के हमारे व्यापक लक्ष्य को समर्थन मिला है।

श्री नायडू ने यात्रियों की डेटा सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, यहां तक कि लोकसभा में भी मैंने इस बात पर जोर दिया है कि डिजी यात्रा एक सुदृढ़ डेटा सुरक्षा की नींव पर निर्मित है। आज भी मैं यह साफ तौर पर कहना चाहूंगा कि यात्रियों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) का कोई केंद्रीय भंडारण नहीं है। सभी यात्रियों का डेटा एन्क्रिप्ट कर करके उनके स्मार्टफोन में सुरक्षित रूप से संग्रहीत कर दिया जाता है व मूल हवाईअड्डे के साथ केवल अस्थायी रूप से साझा किया जाता है और प्रस्थान के 24 घंटे के भीतर इसे नष्ट कर दिया जाता है। हर एक यात्री की गोपनीयता हमारे लिए सबसे ऊपर है और नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस पर कोई समझौता नहीं करेगा।

डिजी यात्रा सरकार की एक परिवर्तनकारी डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य चेहरे की पहचान पर आधारित प्रौद्योगिकी (एफआरटी) पर आधारित हवाईअड्डों पर सुगम, संपर्क रहित और कागज रहित बोर्डिंग के साथ यात्री अनुभव को समृद्ध करना है। यह यात्रियों को उनकी पहचान और यात्रा विवरण को सत्यापित करने के लिए चेहरे की पहचान का उपयोग करके कागज रहित और संपर्क रहित प्रक्रिया के माध्यम से हवाईअड्डों पर विभिन्न जांच चौकियों से गुजरने में सहायता करता है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन व सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल और केंद्रीय नागरिक उड्डयन सचिव श्री वुमलुनमंग वुअलनाम भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इसके अलावा एएआई के अध्यक्ष श्री एम सुरेश, लोकसभा सांसद (विशाखापत्तनम) श्री श्रीभरत मथुकुमिल्ली, आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्य श्री पी.जी.वी.आर. नायडू (गण बाबू) और नागरिक उड्डयन मंत्रालय में डीडीजी श्री पीके ठाकुर सहित मंत्रालय व एएआई के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

'एक देश-एक चुनाव' का ब्लू प्रिंट

शैलेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बड़ी सफलता मिलती दिखाई दे रही है। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि एन.डी.ए. के सहयोगी दल जे.डी.यू., तेलुगू देशम पार्टी और एल.जे.पी. (राम बिलास) 'एक देश-एक चुनाव' और 'धर्म निरपेक्ष नागरिक संहिता' पर सहमत हो गए हैं। जाति जनगणना पर भी सहमति बनती दिखाई दे रही है। मतलब साफ है कि भाजपा 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए नया कानून ला सकती है। 'एक देश-एक चुनाव' निश्चित तौर पर एक अच्छी धारणा है। संभव हो तो पंचायतों और नगर परिषदों के चुनाव भी एक साथ ही हो जाएं तो लोकतंत्र के लिए और अच्छी बात होगी। इससे चुनाव के भारी-भरकम खर्च में कमी आएगी। समय की बचत होगी। बार-बार चुनाव के काम में लगा दिए जाने वाले कर्मचारियों को अपना काम करने का अधिक मौका मिलेगा। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को भी चुनाव पर अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा। इसके चलते राजनीतिक भ्रष्टाचार पर भी थोड़ा बहुत अंकुश लग सकता है। 'एक देश-एक चुनाव' कोई नई बात नहीं है। आजादी के बाद 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते थे। समस्या 1967 के बाद शुरू हुई। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को लोकसभा में तो बहुमत मिल गया लेकिन बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। पिछले 5 वर्षों में चुनाव का बढ़ता खर्च देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बनता जा रहा है। सैंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद 1952 में देश के चुनाव पर साढ़े 10 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। तब लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। 2019 में लोकसभा और आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए जिस पर करीब 50 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए। 2024 में ये खर्च बढ़कर करीब 1 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जाहिर है कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते तो लगभग इसी खर्च में दोनों अनुष्ठान पूरे हो जाते। लोकसभा के चुनाव का खर्च केंद्र सरकार और विधानसभा चुनाव का खर्च राज्य सरकार देती है। दोनों चुनाव एक साथ होने पर खर्च दोनों में बंट जाता है। विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने से सरकारी तंत्र, मंत्री और राजनीतिक दल हमेशा चुनाव की तैयारी में व्यस्त नजर आते हैं। प्रधानमंत्री और भाजपा सभी चुनावों को एक साथ कराने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दल एक साथ चुनाव पर सहमत नहीं हैं। खास कर क्षेत्रीय पार्टियों को डर है कि एक साथ चुनाव होने पर सत्ता उनके हाथ से निकल जाएगी। विपक्ष का ये डर बहुत तार्किक नहीं लगता है। केंद्र सरकार के लिए लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना मुश्किल नहीं है। संविधान की धारा 356 के जरिए विधानसभाओं को भंग करके एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। इसका उपयोग कई बार हो चुका है। 1977 में जनता पार्टी की सरकार केंद्र में आई तो कांग्रेसी राज्य सरकारों को इसी धारा का उपयोग करके भंग कर दिया गया और राज्यों में विधानसभा के चुनाव कराए गए। 1980 में कांग्रेस केंद्र में लौटी तो राज्यों में जनता पार्टी की सरकारों को भंग करके चुनाव कराए गए। किसी राज्य विधानसभा या लोकसभा का मध्यावधि चुनाव कराने की नौबत आ जाए तो क्या होगा? क्या फिर सभी विधानसभाओं और लोकसभा के एक साथ चुनाव कराए जाएंगे? इसे तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता है। एक देश-एक चुनाव के नाम पर केंद्र सरकार को राज्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप का अधिकार फिर से देना राज्यों की स्वायत्तता को खत्म करने जैसा होगा। देश में राजनीतिक दलों की भीड़ बढ़ती जा रही है। राज्यों में नए नेता उभर रहे हैं। लोकतंत्र के लिए यह एक शुभ संकेत है। लेकिन क्षत्रप नेताओं की महत्वाकांक्षा एक बड़ी समस्या भी है, जिसके चलते सरकारें 5 साल का समय पूरा नहीं कर पाती हैं। एक देश -एक चुनाव लागू करने पर इस समस्या से कैसे निपटा जाएगा इसका कोई ब्लू प्रिंट अब तक सामने नहीं आया है। प्रधानमंत्री को यह साफ करना होगा कि पूरे कार्यकाल तक सरकार नहीं चलने पर क्या होगा? एक तरीका ये हो सकता है कि लोकसभा या विधानसभा का कार्यकाल 5 साल पूरा नहीं होने पर सिर्फ बचे हुए कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव कराए जाएं। लेकिन दूसरी बार भी किसी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिले और सरकार फिर नहीं चले तब क्या होगा? एक रास्ता यह भी हो सकता है कि उम्मीदवारों को वोट देने की जगह पार्टियों को वोट देने की व्यवस्था शुरू की जाए।

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी मुश्किलें

ललित गर्ग

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है।

कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं।

दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे।

'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। चुनाव आते ही वोटरों को लुभाने के लिए जिस तरह राजनीतिक दल और उनके नेता वायदों की बरसात करते हैं, यह शासन-व्यवस्थाओं को गहन अंधेरों में धकेल देता है। मुफ्त की संस्कृति को कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकी जाती रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिये यह मुक्त संस्कृति एक अभिशाप बनती जा रही है। सच भी है कि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं। मुफ्त 'रेवड़ी' व कल्याणकारी योजनाओं में संतुलन कायम करना आवश्यक है, परंतु वोट खिसकने के डर से राजनीतिक दल इस बारे में मौन धारण किये रहते हैं, बल्कि न चाहते हुए भी इसे प्रोत्साहन भी देते हैं। फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने एवं राजनीतिक धरातल मजबूत करने का हथियार हैं। मुफ्त उपहार के मामले में कोई भी देश पीछे नहीं है। ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, कनाडा, अंगोला, कीनिया, कांगो, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देश इस दौड़ में शामिल हैं। विकसित देश जहां अपनी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक लोककल्याण योजनाओं में खर्च करते हैं, तो विकासशील देश जीडीपी का 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक फ्रीबीज के नाम पर खर्च कर देते हैं। भारत में अब जब न्यायालय की चौखट पर यह मुद्दा विचाराधीन है, तो संभावना है कि सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार डालने वाली घोषणाओं पर नियंत्रण को लेकर कोई राह भारत ही दुनिया को दिखाए।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रक्षिप्त-पाठ (भाग-15)

गतांक से आगे...

वेद-मूलकता- पुराणों का निर्माण वेदग्रन्थों के गूढ़ रहस्यों को स्फुट करने के लिये हुआ है - यह बात प्रायः सभी पुराणों में डंके की चोट घोषित कर दी गई है। निष्पक्ष एवं तटस्थ दृष्टि से किसी भी पुराण का पाठमात्र कर लेने से हर एक सहृदय का हृदय ही इस घोषणा की सत्यता का साक्षी बन जाता है। बहुत सी वैदिक आख्यायिकाएँ तो पुराणों में शब्द परिवर्तन मात्र के भेद से ज्यों की त्यों लिखी गई हैं, उदाहरण के लिये-उर्वशी, शुनःशेप, सुदास, हरिश्चन्द्र, विश्वामित्र, वशिष्ठ, देवापि-शन्तनु, भृगु, अङ्गिरा, नमुचि, दधीचि, दिवोदास, त्रित और वृत्रासुर आदि से सम्बन्ध रखने वाली समस्त कथाओं को उपस्थित किया जा सकता है। निरुक्त ग्रन्थ में जहाँ तहां ऐसे मन्त्रों की व्याख्या करते हुए अत्रेतिहासमाचक्षते कह कर स्पष्टतया उनमें ऐतिहासिक आख्यानों का अस्तित्व स्वीकार किया गया है। सायणाचार्य के भाष्य में भी इसी रीति से सैकड़ों आख्यानों का उल्लेख मिलता है। प्रसिद्ध इतिहासकार मि. मैकडानल्ड जैसे पाश्चात्य पण्डितों ने और मिश्र- बन्धु आदि भारतीय इतिहासकारों ने भी प्राचीन इतिहास की आधार-शिला वेद के विशिष्ट मन्त्रों को ही स्वीकार किया है। अतः पुराणों में अनूदित ऐसी आख्यायिकाओं की वेद मूलकता तो स्पष्ट ही है। हमने इस ग्रन्थ के वेद, पुराण-समन्वयाध्याय में ऐसी बहुत सी आख्यायिकाओं का संग्रह किया है, जिनके साथ पौराणिक गाथाओं की तुलना करने पर हमारे विचारों की सत्यता प्रकट हो सकती है। इसके अतिरिक्त पुराणों में जहाँ कहीं स्तुति प्रसङ्ग उपस्थित हुआ है वहाँ वेदमन्त्रों का अविकल रूपान्तर लिखा है जिससे द्विजेतर भी सुगमता से वेदपाठ का फल प्राप्त कर सकें। ऐसी स्तुतियों का दिग्दर्शन वेद मन्त्रों सहित नीचे अङ्कित किया जाता है।

क्रमशः ...

विश्व साक्षरता दिवस

देवेन्द्रराज सुथार

शिक्षा एक सभ्य, सक्षम व सुदृढ़ समाज की आधारशिला होती है। किसी भी देश के विकास के स्तर को उस देश की शिक्षा यानी साक्षरता के प्रतिशत से ही आंका जाता है। संस्कृत की सूक्ति है %विद्यां ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्% मतलब विद्या विनय देती है, विनय से पात्रता आती है। शिक्षा के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन द्वारा घोषित 8 सितंबर को विश्व साक्षरता दिवस मनाया जाता है। एक समाज में साक्षरता विकास का एक अच्छा संकेतक है। साक्षरता का फैलाव और प्रसार आम तौर पर आधुनिक सभ्यता जैसे कि आधुनिकीकरण, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, संचार और वाणिज्य के महत्वपूर्ण लक्षण से जुड़ा हुआ है। इस तथ्य को स्पष्ट किया जा सकता है क्योंकि अमेरिका और कनाडा जैसे सभी विकसित देशों में निरक्षरता दर बहुत कम है, जबकि भारत, तुर्की और ईरान जैसे देशों में निरक्षरता की बहुत उच्च दर है। विश्व बैंक के अध्ययन ने एक ओर साक्षरता और उत्पादकता के बीच प्रत्यक्ष और कार्यात्मक संबंध स्थापित किए हैं तो दूसरे ओर साक्षरता पर मानव जीवन की समग्र गुणवत्ता को रेखांकित किया है।

गौरतलब है कि सात वर्ष से अधिक आयु वर्ग के एक व्यक्ति, जो किसी भी भाषा में किसी भी समझ से पढ़ और लिख सकता है, को साक्षर माना जाता है। साक्षरता अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत चलाया था। गांधी का सपना था कि भारत में कोई निरक्षर न रहे। भारत में संसार की सबसे अधिक अनपढ़ जनसंख्या निवास करती है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की साक्षरता दर 75.06% है। भारत में उच्चतम और सबसे कम साक्षरता दर के बीच का अंतर बहुत अधिक है। केरल में साक्षरता दर सबसे ज्यादा 94त्न है, जबकि बिहार में सबसे कम 64त्न है। भारत में निरक्षरता शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच व्यापक अंतराल की विशेषता है। ग्रामीण आबादी मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर करती है और निरक्षरता की दर अधिक है, जबकि शहरी आबादी %कर्मचारी वर्ग% और अधिक शिक्षित है। यहां तक कि पुरुष और महिला आबादी के बीच साक्षरता में एक व्यापक असमानता है। पुरुष साक्षरता दर 82% है और महिला साक्षरता दर 65% है। भारत में सामाजिक व्यवस्था पुरुष लिंग के लिए शिक्षा को बढ़ावा देती है जबकि महिला आबादी खासकर देश के गहरे अंदरूनी हिस्सों में स्कूलों से दूर रहती है।

निरक्षरता से निपटने के लिए सरकार के कई प्रयास किए गए हैं। शिक्षा की राष्ट्रीय नीति 1986, ने घोषित किया कि पूरे देश को निरक्षरता को खत्म करने के कार्य में विशेष रूप से 15-35 आयु वर्ग के लोगों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन 1988 में अस्तित्व में आया और साक्षरता प्रयास में समुदाय के सभी वर्गों को शामिल करने का प्रयास करना शुरू कर दिया।

खालिस्तानी समर्थक पार्टी ही गिरा देगी ट्रूडो की सरकार

अभिनय आकाश

खालिस्तानियों के हमदर्द और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी खतरे में आ गई है। बात-बात पर भारत से तकरार रखने वाले जस्टिन ट्रूडो को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब जगमीत सिंह की न्यू डेमक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने सप्लाई एंड कॉन्फिडेंस डील से खुद को अलग कर लिया। जगमीत सिंह की एनडीपी जस्टिन ट्रूडो की अल्पमत वाली लिबरल सरकार को सत्ता में बनाए रखने में मदद कर रही थी। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि ट्रूडो के सामने तुरंत में पद छोड़ने और फिर से नए सिरे से चुनाव कराने का खतरा है। लेकिन सरकार गिरने का जोखिम लगातार बना हुआ है। सप्लाई और कॉन्फ़िडेंस डील गठबंधन सरकारों से अलग होती है, जहां पर कई पार्टियों संयुक्त रूप से कैबिनेट में काम करती हैं और साथ मिलकर सरकार चलाती है।

जस्टिन ट्रूडो को अब हाउस ऑफ कॉमन चैंबर में अन्य विपक्षी सांसदों का समर्थन हासिल करना होगा। तभी वो बजट पास करा पाएंगे और विश्वास मत जीत सकेंगे। जगमीत सिंह ने एक वीडियो में कहा कि वो 2022 में दोनों नेताओं के बीच हुए एक समझौते को रद्दी की टोकरी में डाल रहे हैं। उन्होंने ट्रूडो पर दक्षिणपंथी कंजर्वेटिव का मुकाबला करने में सक्षम नहीं होने का आरोप लगाया है। सर्वेक्षणों से ये संकेत मिलता है कि कंजर्वेटिव अक्टूबर 2025 के अंत तक होने वाले चुनाव में आसानी से जीत हासिल करने के लिए तैयार हैं। एनडीपी की डील से हटने की योजना महीनों से चल रही थी। जगमीत सिंह ने कहा कि लिबरल बहुत कमजोर हैं। बहुत स्वार्थी हैं और लोगों के लिए लड़ने के लिए कॉरपोरेट हितों के प्रति समर्पित हैं। वो बदलाव नहीं ला सकते और लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सकते। उन्होंने आगे कहा कि उनहोंने लोगों को निराश किया है। वो कॉरपोरेट लालच पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका संगठन ही एक ऐसी पार्टी है जो अगले चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की जीत की कोशिश को नाकाम कर सकती है।

साल 2019 में कनाडा में आम चुनाव हुए थे। ट्रूडो ने चुनाव में जीत तो दर्ज कर ली थी लेकिन वो सरकार नहीं बना सकते थे। उनकी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा को 157 सीटें मिली थी। विपक्ष की कंजरवेटिव पार्टी को 121 सीटें हासिल हुई थीं। ट्रूडो के पास सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं था। सरकार बनाने के लिए उन्हें 170 सीटों की दरकार थी। जिसकी वजह से ट्रूडो की पार्टी ने कनाडा के चुनाव में 24 सीटें हासिल करने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) का समर्थन लिया। इस पार्टी के मुकिया जगमीत सिंह है जो खालिस्तान आंदोलन के बड़े समर्थक हैं। ट्रूडो के लिए सत्ता में रहने का मतलब जगमीत को खुश रखना।

चुनाव के बाद सिंह और ट्रूडो ने कॉन्फिडेंस एंड सप्लाई एग्रीमेंट को साइन किया था। ये समझौता 2025 तक लागू रहने की बात कही गई थी। पिछले साल जब विपक्ष ने कनाडा के चुनावों में चीन के हस्तक्षेप की जांच की मांग की और ट्रूडो पर जबरदस्त अटैक बोला गया। लेकिन उस वक्त जगमीत सिंह की एनडीपी पीएम के लिए ढाल बनकर खड़ी रही। ट्रूडो के समर्थन से सुरक्षित सिंह भारत के खिलाफ और खालिस्तानी मुद्दे के समर्थन में आगे बढ़ते जा रहे हैं।

जगमीत सिंह ने सरकारी कार्यक्रमों में संभावित कंजर्वेटिव कटौती के खिलाफ आगे और भी बड़ी लड़ाई के लिए सरकार से समर्थन वापस लेने के अपनी पार्टी के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से, सेवानिवृत्त लोगों से, युवा लोगों से, मरीजों से, परिवारों से बड़े निगमों और अमीर सीईओ को अधिक देने के लिए कटौती करेंगे। उन्होंने कहा कि उदारवादी कॉर्पोरेट हितों के लिए खड़े नहीं होंगे और वह रूढ़िवादी कटौती को रोकने के लिए अगला चुनाव लड़ेंगे। लिबरल और एनडीपी के बीच समझौते ने अल्पमत लिबरल सरकार के अस्तित्व को सुनिश्चित किया। यह संघीय स्तर पर दो पक्षों के बीच पहला ऐसा औपचारिक समझौता था।

समझौते की समाप्ति के साथ, कनाडा पारंपरिक अल्पसंख्यक संसद की राजनीति में लौट आया है। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि उदारवादी सरकार गिर जाएगी। ट्रूडो के लिए तत्काल कोई ख़तरा नहीं हो सकता है लेकिन पतन का ख़तरा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल कनाडाई पीएम को विश्वास मत पर चुनाव से बचने के लिए मामले-दर-मामले आधार पर संसद में तीन मुख्य विपक्षी दलों में से एक को अदालत में पेश करना होगा। उदारवादी और एनडीपी अभी भी सामाजिक नीति की तरह समान प्राथमिकताएँ साझा करते हैं। दोनों पक्ष संसद में विधेयकों को पारित करने के लिए आने वाले महीनों में इन मुद्दों पर सहयोग और मतदान करना जारी रख सकते हैं।

यह हो सकता है। एनडीपी ने अब पोइलिवर की मांग के अनुसार सौदे से हटकर खुद को आलोचना के लिए खोल दिया है। वह लंबे समय से कहते रहे हैं कि देश को सरकार में बदलाव की जरूरत है और अब एनडीपी का फैसला उनके दावे को और अधिक मजबूती देता है। संक्षेप में कहें तो ट्रूडो के लिए यह बुरी खबर है। उदारवादी कमज़ोर दिखाई दे रहे हैं, वे जनता का विश्वास खो रहे हैं और ऐसा लगता है कि लगभग नौ वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद, कनाडा में परिवर्तन हो सकता है।

आज का इतिहास

1855 स्पेन के क्वीन इसाबेला द्वितीय का द्वार इलोइलो को विश्व व्यापार के लिए खोल दिया गया।
1860 मिशिगन झील पर पैडल स्टीमर लेडी एल्गिन का नुकसान लगभग 300 लोग डूबे।
1900 द 1900 गैल्वेस्टन तूफान से 6,000-12,000 लोगों को मृत्यु हो हुई।
1900 संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास शहर के गैलवेस्टोन में चक्रवाती और ज्वारीय तूफान से 6000 लोगों की मौत हुई।
1935 अमेरिकी सीनेटर ह्युई लांग को बैटन रूज, लुइसियाना में बुरी तरह से गोली मार दी गई।
1939 गद्दनिया की लड़ाई का आरम्भ हुआ।
1946 बुल्गारिया ने राजशाही का अंत किया।
1950 कांग्रेस द्वारा अनुमोदित रक्षा उत्पादन अधिनियम में मजदूरी और मूल्य नियंत्रण सहित विभिन्न आर्थिक उपायों की आवश्यकता है।
1951 जापान ने 48 देशों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1954 आठ देशों ने दक्षिण-पूर्व एशियाट्रो संगठन, नाटो के दक्षिण-पूर्व एशियाई संस्करण बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1966 क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय ने साउथ वेल्स के लिए एक नए आर्थिक युग के सूत्रपात के रूप में, सेवर्न ब्रिज को खोला।
1966 संयुक्त राष्ट्र के शिक्षा और सांस्कृतिक विभाग यूनेस्को ने पहली बार विश्व साक्षरता दिवस मनाया।
1974 वाटरगेट कांड-यू.एस. राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड ने हाल ही में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को पद पर रहते हुए किए गए किसी भी अपराध के लिए पूर्ण और बिना शर्त, लेकिन कॉन्ट्रोवर्शियल, क्षमा प्रदान की।
1978 ईरानी क्रांति-विरोध की प्रतिक्रिया में इरंडक्लेर के शाह की सरकार के बाद, ईरानी सेना ने ब्लैक फ्राइडे पर तेहरान में कम से कम 88 प्रदर्शनकारियों को गोली मार दी।
1986 निसान इंग्लैंड में सुंदरलैंड में एक को खोलकर यूरोप में कारखाना खोलने वाली पहली जापानी ऑटोमोबाइल कंपनी के रूप में खुद को स्थापित करता है।

भाजपा में हिमंत बिस्वा सरमा का महत्व!, हिंदुत्व के नए पुरोधा?

प्रभु चावला

असम के 15वें मुख्यमंत्री 55 वर्षीय हिमंत बिस्वा सरमा हिंदुत्व के नए पुरोधा बन गए हैं। उनकी जड़ें कांग्रेस में हैं, जो धर्मनिरपेक्षता की ऐतिहासिक अगुआ रही है। लेकिन उनकी राष्ट्रीय प्रसिद्धि का श्रेय भाजपा को जाता है, जिसने उन्हें अपने पाले में ले लिया। इससे पहले, सरमा एक दशक से ज्यादा समय तक धर्मनिरपेक्षता के संघ विरोधी प्रचारक रहे। विडंबना यह है कि असम में भाजपा से मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली यात्रा गुवाहाटी में आरएसएस मुख्यालय की थी। 2015 में जिस दिन से वे पार्टी में शामिल हुए, सरमा की वैचारिक पहचान की भगवा गहराई किसी भी लंबे समय से कार्यरत संघ कार्यकर्ता की मान्यताओं से ज्यादा गहरी हो गई। सरमा अपनी सरकार की उपलब्धियों के बजाय मंदिरों, मुसलमानों, मौलवियों और मदरसों के बारे में ज्यादा बात करते हैं।

अपने लचीलेपन, मिलनसारिता और सुलभता के कारण वे 2021 में अपनी पार्टी को दूसरा कार्यकाल दिलाने के लिए सभी को साथ ला पाए। असमिया युवाओं द्वारा 'मामा' कहे जाने वाले सरमा का भगवा अवतार उन्हें पूर्वोत्तर के राजनीतिक क्षेत्र का बेताज बादशाह बनाता है। सरमा की पुराने हिंदुत्व की अतिशयोक्ति से संकेत मिलता है कि उन्होंने कांग्रेस की संस्कृति से जो कुछ सीखा था, उसे भूल गए हैं।

अपनी चतुर विधायी और प्रशासनिक रणनीति के तहत हाल ही में उन्होंने विधानसभा में अत्यधिक विवादास्पद असम निरसन विधेयक और असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण विधेयक 2024 पारित करवाया, जिसका उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 को निरस्त और प्रतिस्थापित करना है।

नए कानूनों के माध्यम से, सरमा एक तरह से क्षेत्रीय समान नागरिक संहिता का अपना खाका पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने विधानसभा में अल्पसंख्यकों के बारे में टिप्पणी करके विपक्ष का मुकाबला किया- 'मैं पक्ष लूंगा। आप इसमें क्या कर सकते हैं? मिया मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने देंगे।'

उन्होंने यह भी दावा किया, 'जनसांख्यिकी में बदलाव मेरे लिए बड़ा मुद्दा है। असम में मुस्लिम आबादी आज 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 1951 में यह 12 फीसदी थी। हमने कई जिले खो दिए हैं।' जैसा कि अनुमान था, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने सांप्रदायिक संघर्ष भड़काने के लिए उन पर निशाना साधा।

असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के शब्दों में -'असम में 18 विपक्षी दल हैं जिन्होंने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से, असम के मुख्यमंत्री सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं और विधानसभा के अंदर भी संवेदनशील बयान दे रहे हैं। हम राष्ट्रपति को भी पत्र लिखेंगे।'

अगले दिन, विपक्षी दलों ने राज्यपाल से मुलाकात की और सरमा के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुस्से में कहा -'असम के मुख्यमंत्री ने जो कहा वह अस्वीकार्य और निंदनीय है। बीमार दिमाग और बड़बोलापन एक जहरीला मिश्रण है।' सरमा ने पलटवार करते हुए कहा -'उनको (विपक्ष

को) अल्पसंख्यक वोटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने दें। मैं प्रतिस्पर्धा में नहीं हूं।'

वह अपने हिंदू धर्म पर जोर देने और राजनीतिक विरोधियों को किनारे लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ते। पिछले साल भी उन्होंने असम की मुस्लिम आबादी में वृद्धि पर सवाल उठाते हुए दावा किया था कि यह प्रति दशक 30 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जबकि हिंदुओं के लिए यह दर 16 प्रतिशत है। सरमा उन मुस्लिम संस्थानों को निशाना बना रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे कट्टरपंथ को बढ़ावा देते हैं।

सरमा ऐसे आक्रामक युद्धों का स्वागत करते हैं जो उनके हिंदुत्व की साख को बढ़ाते हैं। वे विपक्षी दलों द्वारा किसी भी तरह के प्रतिरोध को अपने एजेंडे को और आगे बढ़ाने के अवसर के रूप में इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेसी होने के नाते, उन्होंने पार्टियों को तोड़ने, सरकारों को गिराकर दलबदलुओं को अपने पक्ष में करने और प्रतिद्वंद्वियों को ध्वस्त करने की कला सीखी थी।

उनकी तेजी से सीखने की कला ने उन्हें सक्षम बनाया है। उन्होंने संघ परिवार के राष्ट्रवाद की भाषा के व्याकरण और छंद में महारत हासिल कर ली है। अमित शाह के पसंदीदा सरमा ने अपने गुरु के सामने अपनी योग्यता साबित की है। 2021 में उन्होंने 'अमित शाह एंड द मार्च ऑफ बीजेपी' किताब का असमिया में अनुवाद किया। सरमा का नरेंद्र मोदी और आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व के साथ भी अच्छा तालमेल है।

उनके आलोचक उनकी शेखी बघारने की आदत से चिढ़ते हैं, जबकि उनके प्रशंसक कट्टर हिंदुत्व के प्रति उनके झुकाव को पसंद करते हैं। यह जादू सरमा की विभिन्न राजनीतिक मिशनों में रणनीतिक चतुराई में परिलक्षित होता है, जिससे उन्होंने अधिकांश पूर्वोत्तर राज्यों से भाजपा विरोधी, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों को हटा दिया। वे भाजपा की त्रिपुरा जीत के लिए जिम्मेदार थे।

वे तख्तापलट के मास्टर और चतुर गठबंधन निर्माता हैं। उन्होंने मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में भाजपा का विस्तार किया। ओडिशा में उन्होंने कार्यकर्ताओं को जुटाया और हिंदू कार्ड का भरपूर इस्तेमाल किया। उन्हें आगामी झारखंड चुनावों के लिए सह-प्रभारी बनाया गया है। उनका पहला कदम पूर्व सीएम चंपई सोरेन को अपने पाले में लेकर सत्तारूढ़ झामुमो को तोड़ना था।

उन्होंने राज्य में ध्रुवीकरण का एजेंडा पहले ही तय कर दिया था। उन्होंने 16 मई को रांची में मीडिया से कहा, 'हिंदुओं को ठंडा मत करो। हिंदू अभी गरम हुआ है, गरम रहने दो। 'जय श्री राम' बोलना शुरू किया है बहुत सालों बाद। ये धर्मनिरपेक्ष लोग हमें ठंडा करने की कोशिश करेंगे और हमें जय श्री राम नहीं बोलने देंगे। क्या वे नमाज बंद करवा सकते हैं?'

स्वाभाविक रूप से सरमा मोदी-शाह के सबसे भरोसेमंद और परखे हुए अनुयायी के रूप में उभरे हैं। उद्धव ठाकरे की सरकार को तोड़ने के दौरान, मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के सभी बागियों को भगवा सरकार के सत्ता में आने तक असम में सुरक्षित रखा गया था। सरमा की प्रतिभा उनकी कठोर विचारधारा, लचीली शासन कला और व्यावहारिक राजनीति के दुर्लभ संयोजन में निहित है।

उनके प्रवर्तकों द्वारा उन्हें भविष्य के हिंदू 'हृदय सम्राट' के रूप में देखा जाता है क्योंकि सूरज पूर्व में उगता है। सरमा का सितारा मोदी के राज में भी बढ़ रहा है। जूरी अभी भी इस बात पर विचार कर रही है कि वह सुपरस्टार हैं या सिर्फ संघर्ष का धूमकेतु।

हरियाणा में भाजपा ने जीत के लिए नए चेहरे पर खेला दांव

शाहरुख खान

भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची काफी मंथन के बाद जारी की है। पार्टी के थिंक टैंक ने पिछली बार हारे 23 उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया है। इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पार्टी ने नए चेहरों पर दांव खेला है। पार्टी ने इन उम्मीदवारों को उतारने से पहले हर विधानसभा सीट के जातीय समीकरणों का बारीकी से अध्ययन किया और उसके बाद ही इन पर मुहर लगाई है। दरअसल इन सीटों पर अधिकतर कांग्रेस के विधायक हैं और पार्टी उन्हें दोबारा से मौका देने जा रही है। भाजपा को लगता है कि इनमें से कई विधायकों के खिलाफ भी सत्ता विरोधी लहर है। ऐसी स्थिति में नया चेहरा देकर पार्टी इन सीटों को जीतने की पूरी कोशिश करेगी। पार्टी ने कालका विधानसभा सीट से अंबाला की मेयर शक्ति रानी शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है। 2019 में भाजपा की लतिका शर्मा इस सीट से चुनाव हार गई थीं। इसी तरह से रादौर से भाजपा के कर्ण देव कांग्रेस के उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे। इस बार पार्टी ने उनकी जगह श्याम सिंह राणा

को मौका दिया है। शाहबाद में भाजपा के कृष्ण कुमार बेदी जजपा के रामकरण काला से करीब 37 हजार वोट से हारे थे। पार्टी ने इस बार उनकी जगह नया उम्मीदवार सुभाष कलसाना को मौका दिया है। वहीं, कुरुक्षेत्र की लाडवा से सीट से पार्टी ने सीएम नायब सिंह सैनी को मैदान में उतारा है। पिछला चुनाव भाजपा के डा. पवन सैनी हार गए थे। इसी तरह से समालखा से भाजपा के शशिकांत कौशिक कांग्रेस के धर्म सिंह छौक्कर से चुनाव हार गए थे। पार्टी ने कौशिक की जगह मनमोहन भड़ाना को मौका देकर चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने खरखौदा से पवन खरखौदा, सोनीपत से निखिल मदान, गोहाना से पूर्व सांसद अरविंद शर्मा को भी मौका दिया है। इन तीनों पर भाजपा की करारी हार हुई थी। इसी तरह से पार्टी ने कालांवली, रानिया, उचाना कलां, सफीदों, दादरी, तोशाम, महम, गढ़ी सांपला-किलोइ, कलानौर, बहादुरगढ़, झज्जर, मुलाना व अन्य सीटों पर पुराने चेहरों के बजाय नए चेहरे को मौका दिया है। वहीं पार्टी को जिन सीटों पर अपने उम्मीदवारों के खिलाफ भी सत्ता विरोधी लहर दिखी तो उन्हें भी पार्टी ने हटा दिया है। हालांकि भाजपा ने कुछ हारी सीटों पर पुराने उम्मीदवारों पर ही दांव लगाया है। बादली से पार्टी ने अपने पुराने नेता ओम प्रकाश धनखड़ पर दांव खेला है। धनखड़ पिछला चुनाव हार गए थे। वहीं, नारनौंद से वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु को उतारा है। वह भी पिछला चुनाव हार गए थे। राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार इसराना विधानसभा सीट से बहुत बड़े अंतर से चुनाव हारे थे। इसके बावजूद पार्टी ने उन्हें फिर से मौका दिया है। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत को साधने की पूरी कोशिश की है। सूची में उनके समर्थकों के भी नाम है। इसके साथ ही उनकी बेटी को आरती राव को भी टिकट दिया है। वह पिछली बार भी अपनी बेटी के लिए टिकट मांग रहे थे, मगर पार्टी ने नहीं दिया। पार्टी के उनके समर्थक सोहना से तेजपाल तंवर को टिकट दिया है। वह 2014 में इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। वह राव इंद्रजीत के खेमे से हैं। कोसली से नए चेहरे अनिल दहिना को टिकट मिला है। वह भी केंद्रीय राज्य मंत्री के खास हैं। बताया जा रहा है कि राव अनिल के लिए काफी हद तक अड़े रहे थे।

राजनीतिक हाशिए पर हरियाणा के 'लाल' परिवार

राज कुमार सिंह

राजनीति भी अजब खेल है। दशकों तक हरियाणा में सत्ता-राजनीति के केंद्र रहे तीनों चर्चित लालों यानी बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के परिवार इस विधानसभा चुनाव में हाशिए पर हैं। एक नवंबर, 1966 को पृथक राज्य बने हरियाणा की राजनीति में दशकों तक इन 3 लालों की तूती बोलती रही। तब उन लालों के बिना कोई भी दल हरियाणा में राजनीति करने की सोच भी नहीं सकता था, पर अब जबकि हरियाणा के मतदाता अपनी नई विधानसभा और सरकार चुनने के लिए 5 अक्तूबर, 2024 को वोट डालने जा रहे हैं तो उन लाल परिवारों के परिजन सत्ता-राजनीति की मुख्य धारा से दूर हाशिए पर नजर आ रहे हैं।

बेशक तीनों लालों ने अपनी राजनीति की शुरूआत कांग्रेस से ही की थी, लेकिन तीनों ने ही कांग्रेस छोड़ी भी। तथ्य यह भी है कि पिछले 10 साल से हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा देवीलाल और बंसीलाल के दल के साथ गठबंधन कर राजनीति करती रही, लेकिन पिछले एक दशक में तीनों ही लाल परिवार उसका कमल थामे नजर आए। चौधरी बंसीलाल इंदिरा गांधी के समय बड़े नेताओं में गिने जाते थे। इंदिरा के चर्चित बेटे संजय गांधी के भी वह करीबी रहे। बंसीलाल केंद्र में मंत्री रहने के अलावा 3 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रहे। उन्हें 'आधुनिक हरियाणा का निर्माता' कहा जाता है। तीसरी बार वह अपनी अलग हरियाणा विकास पार्टी (हविपा) बना कर भाजपा से गठबंधन में चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के चलते बंसीलाल सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। 2004 में बंसीलाल और उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने हविपा का कांग्रेस में विलय कर दिया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में 2005 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर सुरेंद्र सिंह मंत्री भी बनाए गए। एक हैलीकाप्टर दुर्घटना में सुरेंद्र सिंह की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी किरण चौधरी

ने परिवार की राजनीतिक विरासत संभाली, जो उससे पहले दिल्ली में कांग्रेस की बड़ी नेता थीं। किरण हरियाणा में मंत्री बनाई गईं और उनकी बेटी श्रुति चौधरी लोकसभा सांसद। हरियाणा में गैर-कांग्रेसी राजनीति की धुरी बने देवीलाल सबसे ज्यादा पांच बार मुख्यमंत्री रहे, पर उनका कार्यकाल कभी लंबा नहीं रहा। जनसंघ और भाजपा से उनके अच्छे रिश्ते रहे। दोनों ने गठबंधन सरकार भी चलाई। 'ताऊ' के संबोधन से लोकप्रिय देवीलाल देश के उप-प्रधानमंत्री भी बने। देवीलाल के बेटे ओमप्रकाश चौटाला, जो उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बने, ने भी भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चलाई। उसी कार्यकाल में दोनों में तल्खियां बढ़ीं और रास्ते अलग हो गए। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के टकराव में 2018 में चौटाला परिवार और उसकी पार्टी इनैलो टूटी तो बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) बना ली। 2019 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से वंचित रह गई तो 10 विधायकों वाली जजपा से गठबंधन हुआ और देवीलाल की चौथी पीढ़ी के दुष्यंत चौटाला उप मुख्यमंत्री बने।

भजनलाल 3 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। पहली बार 1979 में, दूसरी बार 1982 में और तीसरी बार 1991 में। भजनलाल केंद्र में मंत्री भी रहे। राजनीतिक जोड़-तोड़ के मामले में उन्हें 'पी.एच.डी.' कहा जाता था। केंद्र में नरसिम्हा राव सरकार को अल्पमत से बहुमत में बदलने में उनकी भूमिका की अक्सर चर्चा होती है। उनके दोनों बेटे चंद्रमोहन और कुलदीप बिश्नोई राजनीति में हैं। चंद्रमोहन कांग्रेस में हैं, जबकि अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां) बना कर फिर कांग्रेस में लौटने के बाद कुलदीप अब भाजपा में हैं। 2005 में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने से पहले तक हरियाणा की राजनीति इन्हीं 3 लाल परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती रही, पर उसके बाद इनका दबदबा कम होता गया। 'चौथे लाल' के रूप में हरियाणा की सत्ता संभालने वाले मनोहर लाल के कार्यकाल ने तो हालात यह बना दिए कि कल तक जो परिवार हरियाणा की राजनीति की दिशा तय करते थे, आज उनके परिजनों का राजनीतिक भाग्य दूसरे दल और नेता तय कर रहे हैं। जो परिवार हरियाणा में लोगों को नेता बनाते थे, आज उनकी राजनीति अपने लिए टिकट की जोड़-तोड़ तक सिमट कर रह गई है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लंबी तनातनी के बाद किरण चौधरी को आखिरकार भाजपा की शरण में जाना पड़ा, जिसने उन्हें राज्यसभा सांसद बनाने के बाद अब बेटी श्रुति चौधरी को तोशाम से विधानसभा का टिकट भी दे दिया है। भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन की राजनीति पंचकूला और कालका विधानसभा सीट तक सिमट कर रह गई है। छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई का पूरा ध्यान बेटे भव्य को राजनीतिक रूप से स्थापित करने पर है। बहुत कोशिशों के बावजूद वह न तो भव्य को मंत्री बनवा पाए और न ही खुद राज्यसभा सांसद बन पाए। ओमप्रकाश चौटाला अपने छोटे बेटे अभय के साथ मिल कर इनैलो चला रहे हैं तो बड़े बेटे अजय अपने दोनों बेटों दुष्यंत और दिग्विजय के साथ मिल कर जजपा। देवीलाल के ही बेटे रणजीत सिंह चौटाला तो पिछली बार रानिया से निर्दलीय विधायक बन कर पहले मनोहर लाल और फिर नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री भी रहे। जाहिर है, इन चुनावों में तीनों ही लाल परिवारों को अपनी राजनीति बचाने के लाले पड़े हैं।

भारतीय संस्कृति को बनाएं रखें भक्त -गणेश

विजय मिश्रा 'अमित'

विगत कई सप्ताह से गणेश स्थापना हेतु मंच एवं पण्डाल के निर्माण एवं सजावट कार्य में जुटे-जुटे थक कर चूर-चूर हो गया था।गणेश जी की स्थापना के उपरान्त थकान मिटाने के लिए घोड़ा बेचकर गहरी नींद में सो रहा था। तभी रात्रि दो बजे के करीब किसी के सिसक-सिसक कर रोने की आवाज से मेरी नींद उचट गई।मैं आंख मलते रोने की आवाज की दिशा में चल पड़ा।आगे जाकर मैंने देखा कि हमारे पण्डाल में विराजे गणेश जी रो रहे हैं।रो-रोकर उन्होंने अपनी आंख और सूंड़ को लाल कर डाला है।

मैं हड़बड़ाते हुए अपने कंधे में रखे गमछे से उनके आंसू पोंछते हुए पूछ पड़ा - क्या हो गया गणेश जी? इतना कलप-कलप कर क्यों रो रहे हैं ? मेरा सवाल सुनकर वे सुबकते हुए बोले - वर्ष में एक बार ही तो मुझे तुम लोग बुलाते हो।इसके बावजूद ढंग से मेरा मान-सम्मान भी नहीं कर सकते।इसी बात का पूर्वानुमान लगाते हुए माता पार्वती,भ्राता कार्तिक एवं पिताश्री शंकर ने मुझे समझा बुझा कर भेजा है।भूलोक में आजकल तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं,संभल कर रहना।ज्यादा उल्टा-सीधा मत खा-पी लेना।

गणेश जी की ऐसी बातें सुनकर मुझे हंसी आ गई । अपनी हंसी को नियंत्रित करते हुए मैंने पूछा - क्यों गणेश जी,अभी तो हमने आपको कुछ खास खिलाया-पिलाया ही नहीं है, फिर आपको किस बात की पीड़ा है?मेरे प्रश्न का जवाब देने के पहले नाक-भौं सिकोड़ते हुए कहा - यहां बदबू के मारे मेरा सिर फटा जा रहा है।तुम लोगों ने मुझे बजबजाती गंदी नाली और कचरा के डिब्बे के करीब बिठा रखा है। एक तो सड़ते-गलते कचरे की बदबू ऊपर से बड़े-बड़े मच्छरों का हमला। मेरे लिए तो दुबले को दो आषाढ़ जैसी स्थिति हो गई है।तुम लोग ऐसी गंदगी में रहते हो, इसीलिए तुम लोगों को मलेरिया,हैजा, डेंगू कोरोना जैसी व्याधियां घेरती हैं।

इतना कहते-कहते गणेश जी ओक-ओक करने लगे।मानो उन्हें जम कर मितली आ रही हो।जैसे-तैसे अपने आपको संभालते हुए उन्होंने आगे कहा- मैंने तो सुना था कि देश में स्वच्छता अभियान चल रहा हैं पर यहां की गंदगी को देखकर तो ऐसा कुछ लगता नहीं।इधर देखों कहते हुए उन्होंने अपने सूंड़ के ऊपर बैठे खून चूसते एक मोटे मच्छर को भगाते हुए कहा- तुम लोग तो खुद मच्छरदानी के अंदर पंखा,कूलर,एसी की हवा खाते आराम फरमा रहे हो और मुझे उमस भरी गर्मी के संग चिपचिपाते पसीना में छोड़ दिए हो।

गणेश जी की पीड़ा हरने के लिए मैंने उन्हें फुसलाने की कोशिश की। उन्हें बताया कि आप चिन्ता न करें।आपके लिए भी हमने बिजली का कनेक्शन ले रखा है।आपके पण्डाल को रंग-बिरंगे झालर से सजाने की तैयारी हमने की.....। इस पर मेरी बात को बीच में ही काटते हुए गणेश जी चिंघाड़ते बोले - सरासर झूठ बोल रहे हो,मुझे सब पता है कि तुम लोगों ने बिजली का कनेक्शन लेने के बजाय बिजली चोरी की व्यवस्था की हैं।अरे थोड़ी भी तो शर्म करो।पूजा-पाठ जैसे पवित्र कार्य भी क्या तुम बिजली चोरी से करोगे ? ऐसे में तो तुम पुण्य के बजाय पाप के भागीदार ही बनोगे।मै भी इसे सोचते सोचते ऊब जाउंगा।

गणेश जी और कुछ सुना पाते,उसके पहले ही उन्हें टोकते हुए मैंने कहा - लम्बोदर महाराज,थोड़ा धीरज तो धरिए।हम आपको बोर होने नहीं देंगे।आपके मनोरंजन हेतु हमने गाने-बजाने की जोरदार व्यवस्था की हैं।नये-नये गाने बजायेंगे। जिसे सुन कर आपका दिल गदगद हो जायेगा।

इतना सुनते ही गणेशजी के मुरझाये चेहरे पर मुस्कान की एक लकीर दौड़ पड़ी।वे पूछ पड़े - अरे वाह,तो क्या इस बार मेरे लिए नया-नया भजन तैयार किए हो ? मैं गणेश जी के इस सवाल पर आपा खो बैठा और गुर्राते हुए बोला-क्या ऊटपटांग बात करते हैं गणेशा,जमाना बदल गया हैं,आजकल भजन-कीर्तन सुनने वाले ढूंढने पर भी नहीं मिलते।जहां देखो वहां पूजा पण्डाल में फिल्मी गीत बजते रहते हैं .....चार बोतल वोडका,काम मेरा रोज का। मुन्नी बदनाम हुई।बीड़ी जलाई ले बलमवा जिगर म बड़ी आग है आदि आदि।

मेरे मुंह से ऐसे-ऐसे गानों के बोल सुन कर उन्होंने अपने बड़े-बड़े कानों में उंगली ठूंसते हुए कहा - अरे बाप रे,ऐसे गाने तो मैंने अपने बाप-दादा के जमाने में भी नहीं सुना हैं।इन्हें सुन कर तो मेरे प्राण पखेरू उड़ जायेंगे।तुम लोगों ने ऐसे ही बेढंगे,कानफोड़ू गाना-बजाना से ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा दे रखा है।साथ ही साथ संस्कृति को भी विकृत करते जा रहे हो।अरे जरा सोचो लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी ने आजादी की लड़ाई के समय नवयुवकों को एकता के सूत्र में बांधने के लिए गणेश स्थापना की शुरूआत की थी।इस प्रथा के उद्देश्य को ही तुम लोगों ने तहस-नहस कर डाला।

इतना कहकर थोड़ी देर चुप्पी साधने के बाद आगे लंबी आहे भरते हुए बोले - बदलते वक्त के साथ मिट्टी से मूर्ति निर्माण करने के बजाय तुम लोगों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति बनाना और उसे देशी प्राकृतिक रंगों के बजाय हानिकारक रसायनिक रंगों से रंगने की गलत परम्परा को बल दिया है।ऐसी मूर्तियों को नदी,तालाब में विसर्जित करके तुम लोग जल प्रदूषण को भी बढ़ाने जैसा घृणित कार्य कर रहे हो।इससे न केवल मानव जाति अपितु मेंढक,मछली जैसे अनगिनत निरीह जीवों का जीवन भी खतरे में पड़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में भला तुम्हें सुख की प्राप्ति कैसे हो सकती है?

गणेश जी की बातें मेरे दिल-दिमाग को झकझोर गई।मेरी आंखें खुल गई। अपनी नासमझी और गलती का अहसास करते हुए मैं गणेश जी के चरणों पर जा गिरा और लिपट कर बोला - आपकी बात सौ फीसदी सत्य हैं।अब ऐसी गलती को बढ़ावा देने के बजाय आपके बताए मार्ग का अनुसरण करेंगे।आपकी सौगंध लेते यह प्रण दुहराता हूं।

मेरा प्रण सुन कर गणेश जी की आंखों में बहते दु:ख के आंसू खुशी के आंसू में बदल गये।उन्होंने अपना सूंड़ उठा कर खुशी व्यक्त करते हुए 'सुखी भव' का आशीष दिया।हम दोनों चैन की नींद में सो गये।

ब्रुनेई का चीन कनेक्ट और भारत से सहयोग की शुरुआत

शोभना जैन

सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के अहम साझीदार ब्रुनेई देश की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस सप्ताह की संक्षिप्त यात्रा कई मायनों में खासी चर्चा में रही। एशियाई देश ब्रुनेई की यात्रा करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। न केवल यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए अहम रही बल्कि ब्रुनेई की सामरिक स्थिति ने यात्रा को और अहम बना दिया। ब्रुनेई का चीन कनेक्ट एक अहम पहलू है। पिछले कुछ वर्षों से चीन ने ब्रुनेई के साथ नजदीकियां बढ़ानी शुरू कीं, उसके अनेक नेताओं ने वहां के चक्कर लगाने शुरू किए। खास तौर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की स्थिति देश में मजबूत होते जाने

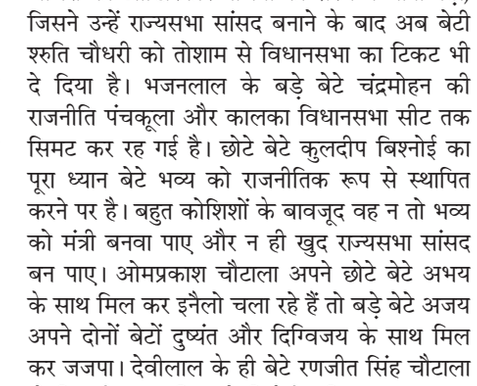

पर यह सब और तेज हो गया। इसी संदर्भ में पीएम मोदी का ब्रुनेई में दिया गया भाषण गौर करने लायक है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत विकास का समर्थक है, न कि विस्तारवाद का। पीएम मोदी की इस टिप्पणी को दक्षिण चीन महासागर और एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन की निरंतर बढ़ती आक्रामक गतिविधियों की ओर इशारा समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रुनेई के सुल्तान हसन अल बोल्किया के साथ शीर्ष स्तरीय वार्ता में कहा कि इस क्षेत्र में नौवहन और क्षेत्र के ऊपर से गुजरने वाले विमानों को निर्बाध रूप से वहां से गुजरने की आजादी होनी चाहिए। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात ऐसे वक्त हुई है जबकि दक्षिण चीन महासागर क्षेत्र में चीन और फिलीपींस कोस्ट गार्ड के जहाजों के बीच वहां एक द्वीप को लेकर टकराव जारी है। अहम बात यह है कि दोनों देशों द्वारा रक्षा क्षेत्र सहित समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर देने की सहमति से द्विपक्षीय सहयोग को नई गति मिल सकती है। सामरिक पहलू से अलग हट कर अगर दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की बात करें तो चीन फिलहाल ब्रुनेई का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। चीन और ब्रुनेई के बीच 2.6 अरब डॉलर का व्यापार होता है जबकि चीन व भारत के बीच लगभग 28 करोड़ 62 लाख डॉलर का व्यापार होता है। बहरहाल, चीन जिस तरह से एशिया प्रशांत और दक्षिण पूर्व क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और आर्थिक निवेश की आड़ में ऋण जाल फैला रहा है, साथ ही अपनी सामरिक ताकत का इस्तेमाल एशिया प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन महासागर क्षेत्र में अपनी आक्रामक गतिविधियों के लिए कर रहा है। ऐसे मे उम्मीद की जा सकती है कि इस यात्रा और ऐसे अन्य कदमों से भारत और ब्रुनेई, दोनों देशों के बीच आपसी समझबूझ और सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। क्षेत्र में शांति और स्थिरता बढ़ाने में सहायता मिलेगी, साथ ही इस क्षेत्र में भारत अपने सकारात्मक प्रभाव से चीन की आक्रामक गतिविधियों पर कुछ अंकुश लगा सकता है।

बिग फैट इंडियन वेडिंग करने का था दबाव: सोनाक्षी

शादी के बाद बालीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने बॉलीवुड सेलेब्स के लिए एक रिसेप्शन पार्टी रखी थी। एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी से पूछा गया कि क्या उनके ऊपर बिग फैट इंडियन वेडिंग करने का दबाव नहीं था? इस पर सोनाक्षी ने कहा कि उन्होंने अपने भाई कुश सिन्हा की वजह से बिग फैट इंडियन वेडिंग नहीं की। सोनाक्षी ने कहा, 'बिग फैट इंडियन वेडिंग करने का दबाव था, लेकिन हम बहुत क्लियर थे कि हमें किस तरह की शादी चाहिए। अगर आप थोड़ा फ्लैशबैक में जाएं और मेरे भाई (कुश) की शादी याद करें, तो आपको याद आएगा कि उन्होंने बिग फैट इंडियन वेडिंग की थी। उनकी शादी के हर फंक्शन में लगभग 5,000 से 8,000 लोग थे। तभी मैंने अपनी मां से कह दिया था कि मेरी शादी ऐसे नहीं होगी।' सोनाक्षी ने आगे कहा, 'हमारी जिंदगी में ये दिन सिर्फ एक बार आता है इसलिए हम इस दिन को बहुत खास बनाना चाहते थे। इसलिए हमने वैसी ही शादी की जैसी हम चाहते थे। कुछ दोस्त थे जो हमारे फैसले से खुश नहीं थे। उन्हें और ज्यादा फंक्शंस चाहिए थे जैसे हुमा, मेरा दोस्त और स्टाइलिस्ट मोहित। मोहित मेरे पीछे पड़ा था कि 'मैं चाहता हूं कि तुम अपनी शादी में पांच बार आउटफिट्स बदलो', लेकिन मैंने सिर्फ एक बार बदला। ऐसे में वो नाराज हो गया। बता दें, सोनाक्षी और जहीर ने सात साल तक साथ रहने के बाद शादी की। उनके भाई कुश रिसेप्शन में शामिल हुए थे, लेकिन उनके भाई लव ने शादी अटेंड नहीं की थी। कुश ने साल 2015 में तरुणा अग्रवाल से शादी की थी। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपनी मैरिड लाइफ इंजॉय कर रहे हैं। दोनों ने इसी साल परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में कोर्ट मैरिज की थी।

मेलबर्न से इमोशनल मोमेंट का वीडियो शेयर किया हनी सिंह ने

पंजाबी गायक हनी सिंह सरप्राइज विजिट पर मेलबर्न पहुंचे, अचानक उनकी बहन स्नेहा के घर पर पहुंचे तो बहन के चेहरे पर खुशियां देखने लायक थी। हनी सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस इमोशनल मोमेंट का वीडियो शेयर किया। क्लिप में वह दरवाजे की ओर चलकर डोर बेल बजाते हुए नजर आ रहे हैं। लुंगी डांस हिटमेकर फिर घर में एंट्री करते हैं और उनकी बहन दौड़ती हुई आती है और उन्हें गले लगाती है। हनी सिंह ने कैप्शन में लिखा 卐मेलबर्न में एक साल बाद अपनी छोटी बहन स्नेहा सिंह से मिला।रैपर-गायक ने अपनी जर्नी के कुछ पल भी शेयर किए, जहां उन्होंने फ्लाइट के बिजनेस क्लास में अपने माता-पिता की तस्वीर पोस्ट की थी। उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा देवताओं के साथ यात्रा। पिछले महीने, रैपर-गायक ने कहा था कि जब खाने के विकल्पों की बात आती है तो वह सच्चे लाहौरी हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें पाक भोग, खीर भी थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हीर नहीं तो खीर सही। जब बात खाने की हो तो मैं सच्चा लाहौरी हूं। हनी सिंह ने अपना करियर 2003 में शुरू किया था। 2011 में अंग्रेजी बीट, ब्राउन रंग और डोप शॉप जैसे गानों से धूम मचा दी थी। हनी सिंह ने 2012 में दीपिका पादुकोण और सैफ अली खान स्टारर फिल्म कॉकटेल से बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनके ट्रैक अंग्रेजी बीट का दोबारा इस्तेमाल किया गया था। रैपर सिंगर साल 2014 में अपने करियर के पीक पर थे। वो लगभग हर बॉलीवुड फिल्म के एल्बम में थे और उनका काम आगे भी ऐसे ही जारी रहा। उन्होंने चेन्नई एक्सप्रेस में लुंगी डांस गाने के लिए बॉलीवुड आइकन शाहरुख खान के साथ भी काम किया। उन्होंने बॉक्स-ऑफिस पर धूम मचाने वाली एक्सपोज से बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरुआत की थी।

गाउन में बेबी बंप के साथ पोज दिए युविका चौधरी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री युविका चौधरी ने अपने मैटरनिटी फोटोशूट की कई तस्वीरें शेयर की है। जिसमें हम उन्हें सफेद हाई स्लिट गाउन में अपने बेबी बंप के साथ पोज देते हुए देख सकते हैं। एक्ट्रेस ने इसके लिए सटल मेकअप लुक चुना है और अपने लंबे बालों को खुला छोड़ा है। उन्हें सिल्वर कढ़ाई वाले स्लीवलेस बेज रंग के गाउन में पोज देते हुए भी देखा जा सकता है। उनके पति प्रिंस नरूला ने उनकी इस पोस्ट पर जमकर प्यार बरसाया। सुनील शेट्टी ने युविका की पोस्ट पर लिखा गॉड ब्लेस। गौहर खान ने लिखा, ब्लेस, ब्लेस, ब्लेस। आरती सिंह ने कहा, हाय, ब्लेस यू बेबी। रुबिना दिलैक ने कहा, खूबसूरत। चेतना पांडे ने लिखा, हॉट और प्यारी मां। दिव्या अग्रवाल ने लिखा, बहुत सुंदर। बिग बॉस 9 के दौरान युविका की मुलाकात प्रिंस नरूला से हुई। उनकी शादी 12 अक्टूबर 2018 को मुंबई में हुई थी। करियर की बात करें तो युविका ने जी टीवी के टैलेंट हंट रियलिटी शो जी सिने स्टार्स की खोज से अपनी टेलीविजन यात्रा शुरू की। इसके बाद उन्होंने टीवी धारावाहिक अस्तित्व..एक प्रेम कहानी में अभिनय किया। इसमें उन्हें आस्था की भूमिका निभाते हुए देखा गया था। युविका नच बलिए 9 की विनर रह चुकी हैं। वह कॉमेडी क्लासेस, एमटीवी स्प्लिट्सविला 10, एमटीवी लव स्कूल 3, एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस 1 और एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस 2 जैसे शो में गेस्ट के रूप में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कुमकुम भाग्य में टीना और लाल इश्क में शिखा की भूमिका निभाई है। वहीं प्रिंस एमटीवी रोडीज 12, एमटीवी स्प्लिट्सविला 8, नच बलिए 9 और बिग बॉस 9 के विनर रह चुके हैं। वह एमटीवी रोडीज 17, एमटीवी रोडीज 18 और एमटीवी रोडीज 20 में गैंग लीडर के रूप में नजर आ चुके हैं। बता दें कि अभिनेत्री युविका चौधरी के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जिनके लिए वे समय-समय पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती है।

ट्विंकल खन्ना ने साझा कीं अपने वेलनेस रिट्रीट की तस्वीरें

ट्विंकल खन्ना हाल ही में एक वेलनेस रिट्रीट गई थी, उन्होंने वहां की तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने एक लंबे कैप्शन के साथ कई तस्वीरें पोस्ट की। पोस्ट का कैप्शन है, कभी-कभी आपको पॉज बटन दबाने की जरूरत होती है। खूबसूरत और एक छोटा सा तरोताजा करने वाला ब्रेक, जहां हमने सेहतमंद खाना खाया, मैंने अपनी पसंदीदा कॉफी छोड़ दी, दोस्तों और परिवार के साथ हरे-भरे जंगल में दो घंटे की ट्रेकिंग का मजा लिया और गरजते झरनों के नीचे खड़ी रही। एक ऐसा विराम जहां हमने अपने चारों ओर देखने के बजाय अपने भीतर देखा। आपने ऐसा आखिरी बार कब किया है? रिट्रीट में ट्विंकल ने अपने व्यस्त जीवन से ब्रेक लेकर अपने स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने स्वस्थ भोजन का आनंद लिया, अपनी पसंदीदा कॉफी छोड़ दी और दोस्तों और परिवार के साथ हरे-भरे जंगल में दो घंटे की ट्रेकिंग का आनंद लिया। उन्होंने प्रकृति से जुड़ाव महसूस किया और अपने आप को तरोताजा किया। यह रिट्रीट ट्विंकल के लिए अपने अंदर झांकने और अपने जीवन और भावनाओं पर विचार करने का एक मौका था। जिससे उन्हें खुद के बारे में गहरी समझ मिली। आत्म-खोज की इस यात्रा ने उन्हें अपने व्यस्त कार्यक्रम से मुक्त होने और अपनी आंतरिक शांति पर ध्यान केंद्रित करने का मौका दिया। ट्विंकल खन्ना का फिल्म इंडस्ट्री में एक सफल करियर रहा है, कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह। एक अभिनेत्री के रूप में उन्होंने 1995 में फिल्म बरसात से अपनी शुरुआत की। वो जब प्यार किसी से होता है और बादशाह जैसी फिल्मों में दिखाई दी। 2001 में अभिनय से संन्यास लेने के बाद उन्होंने लेखन में अपना करियर बनाया और बाद में एक फिल्म निर्माता बन गई, ग्रेजिंग गोट पिक्चर्स की सह-स्थापना की और 2016 में अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस मिसेज फनीबोन्स मूवीज लॉन्च किया। उन्होंने कई फिल्मों का सह-निर्माण किया है, जिनमें पैडमैन भी शामिल है, जिसने 2018 में सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।

हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल: सलमान खान

साल 1993 में बनी फिल्म अंदाज अपना अपना में बालीवुड एक्टर आमिर खान और सलमान खान ने साथ काम किया था। यह पुराना वीडियो अब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सलमान खान कह रहे हैं, उनके साथ काम करना मजेदार है, वह अच्छे हैं और बहुत मेहनती हैं। वह मुझसे दोगुनी मेहनत करवाते हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है। बता दें कि फिल्म अंदाज अपना अपना को रिलीज होने पर आलोचकों द्वारा कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। हालांकि, यह फिल्म आज भी बॉलीवुड की सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी फिल्मों में से एक मानी जाती है। फिल्म दो सोने के दलालों की कहानी है जो एक अमीर उत्तराधिकारी को लुभाने की कोशिश करते हैं ताकि उसके पिता की संपत्ति पर कब्जा कर सकें। उन्हें जल्द ही पता चलता है कि उत्तराधिकारी ने अपनी सचिव के साथ पहचान बदल ली है। तब तक, एक दलाल वास्तव में उत्तराधिकारी से प्यार करने लगता है, जबकि दूसरा दलाल सचिव से प्यार करने लगता है। इस फिल्म में करिश्मा कपूर और रवीना टंडन भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था। फिल्म के कई डायलॉग जैसे तेजा मैं हूं। मार्क इधर है, क्राइम मास्टर गोगो, मोगैम्बो का भतीजा और दो दोस्त एक कप में चाय पिएंगे बहुत लोकप्रिय हैं। यह फिल्म अपनी कॉमिक टाइमिंग, शानदार अभिनय और गानों के लिए जानी जाती है। दिलचस्प बात यह है कि रवीना ने एक बार खुलासा किया था कि फिल्म के सेट पर चारों मुख्य कलाकारों के बीच तालमेल ठीक नही था। सलमान का यह नया वीडियो उस बयान से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। हालांकि, यह फिल्म लगभग तीन दशकों पहले रिलीज़ हुई थी। बता दें कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और आमिर खान आज भले ही बॉलीवुड पर राज कर रहे हों, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब ये दोनों इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे।

बंगाली साड़ी में हॉट लग रही हैं नेहा सरगम

अभिनेत्री नेहा सरगम ने नए फोटोशूट की एक झलक साझा की, जिसमें वे बंगाली साड़ी में बेहद हॉट लग रही हैं। तस्वीर में एक्ट्रेस गोल्डन और लाल बॉर्डर वाली बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ मैचिंग स्लीवलेस ब्लाउज पहना हुआ है। मेकअप के लिए उन्होंने पारंपरिक बंगाली लुक चुना है और अपने माथे पर कल्का लगाया हुआ है। यह एक डिज़ाइन है जो बीच में लाल बिंदी और भौंहों के साथ पैटर्न के साथ बनाया गया है। उन्होंने अपने बालों को ढिलाई से बांधा हुआ है और हाथों में सुनहरे रंग की चूड़ियां और झुमके पहन रखे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कभी-कभी लगता है अपुन बंगाली है..देव बाबू? मिर्जापुर 3 में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार मुख्य भूमिका में हैं। नया सीजन पूर्वांचल क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमता है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित, यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है। नेहा इससे पहले चांद छुपा बादल में, सपना बाबुल का... बिदाई, ये रिश्ता क्या कहलाता है, रामायण, ये है आशिकी, पुनर्विवाह - जिंदगी मिलेगी दोबारा, डोली अरमानों की, इस प्यार को क्या नाम दूं? एक बार फिर, डोली अरमानों की और परमावतार श्री कृष्ण जैसे टीवी शो में अपना किरदार निभा चुकी हैं। कॉन्टिलो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित शो यशोमती मैया के नंदलाला में उन्होंने यशोदा की भूमिका निभाई। इसमें राहुल शर्मा और हितांशु जिंसी मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका प्रीमियर सोनी पर हुआ था। बता दें कि एक्शन क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर में सलोनी त्यागी की भूमिका निभाने वाली नेहा सरगम के इंस्टाग्राम पर 8.20 लाख फॉलोअर्स वाली नेहा ने कुछ तस्वीरें साझा की।

अफवाहों के बीच दुबई में साथ-साथ नजर आए अभिषेक-एश्वर्या

अनबन की अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर बालीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। दरअसल 1 सितंबर को ऐश्वर्या राय के फैन क्लब ने एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया, जो दुबई एयरपोर्ट का है।

इस वीडियो में दोनों अपनी बेटी आराध्या के साथ दुबई एयरपोर्ट पर हैं। इस वीडियो में ऐश्वर्या राय ऑल-ब्लैक लुक में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने ब्लैक सूट, खुले बाल और काले चश्मे के साथ एक स्टाइलिश अवतार अपनाया है। उनकी बेटी आराध्या ब्लू जींस और पिंक टॉप में दिखाई दे रही हैं, और उनके पास लाइट पिंक स्कार्फ भी है। हालांकि, इस वीडियो को देख कुछ लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया कि यह पुराना वीडियो हो सकता है। एक यूजर ने टिप्पणी की कि यह वीडियो पिछले साल दुबई में आयोजित एक अवॉर्ड शो का है। इसके अलावा, कुछ फैंस ने आराध्या के हेयर बैंग्स को नोटिस किया और कहा कि अब उनके बालों में बैंग्स नहीं हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह वीडियो पुराना हो सकता है। वहीं फरवरी में भी इस वीडियो को शेयर किया गया था और तब भी यही चर्चा हुई थी कि ऐश्वर्या और अभिषेक के रिश्ते में सब कुछ ठीक है। जबकि कपल के अलग होने की अफवाहें लगातार उठती रही हैं, अभी तक इस पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आई है।

बता दें, ये वायरल वीडियो अभी का नहीं है। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ने 2007 में शादी की थी और शादी के चार साल बाद 2011 में वे एक बेटी के माता-पिता बने, जिनका नाम उन्होंने आराध्या बच्चन रखा। बता दें हाल ही में बालीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच चल रही अनबन की खबरों ने कई लोगों का ध्यान खींचा है। पिछले महीने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी समारोह में दोनों को अलग-अलग देखा गया, जिससे अलग होने की अफवाहों को हवा मिली।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

जेपी नड्डा ने बिहार में भाजपा नेताओं को क्या टास्क सौंपा?

पटना। जेपी नड्डा शनिवार को पटना में पार्टी के सदस्यता अभियान कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने संबोधन के दौरान कहा कि हमारी पार्टी के संविधान में जहां अधिकार की समानता है वहीं अधिकार के साथ-साथ अवसर की भी समानता है। कोई यहां ना बड़ा है ना छोटा है। सबको बराबर अवसर हैं। बाकि पार्टियों में आप तभी अध्यक्ष बन सकते हैं जब आप एक खास परिवार के होंगे। एक खास खानदान या जाति का होंगे तभी आप अध्यक्ष बन सकते हैं। लेकिन यहां पर साधारण परिवार से आने वाले व्यक्ति भी नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री बनते हैं। यही हमारी पार्टी (भाजपा) की खासियत है। बता दें कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सदस्यता अभियान के दौरान हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर समुदाय के लोगों को पार्टी से जोड़ने का टास्क सौंपा है। खासकर पिछड़ा, अतिपिछड़ा समाज की उन जातियों को भाजपा से जोड़ने की सलाह उन्होंने दी है जो पार्टी की राष्ट्रवादी नीतियों से प्रभावित होकर देश की उन्नति में भागीदार बनना चाहते हैं।

राजेंद्र पाल के कांग्रेस में शामिल होने पर आया आप का रिएक्शन

नईदिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने पूर्व आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम के हाल ही में कांग्रेस छोड़ने को ज्यादा तवज्जो नहीं दी, जो शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कुमार ने इस कदम को नियमित बताया और कहा कि चुनाव से पहले पार्टी बदलना आम बात है। कुमार ने पार्टी की शांत प्रतिक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि जब टिकटों पर संदेह होता है, तो कुछ लोग कूद पड़ते हैं। गौतम के प्रस्थान को संबोधित करते हुए, कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नेता अक्सर चुनावी मौसम के दौरान आते हैं और चले जाते हैं। कुमार ने कहा कि आप ने राजेंद्र पाल गौतम को पूरा सम्मान दिया, उन्हें मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी और कई विभागों की देखरेख की। कुमार ने बताया कि दल बदलना आम बात है जब उम्मीदवारों को लगता है कि टिकट हासिल करने की उनकी संभावना अनिश्चित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति में यह चलन असामान्य नहीं है।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय का बजरंग-विनेश पर तंज

नई दिल्ली। भारत के दो दिग्गज पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो चुके हैं। दोनों शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। इसके बाद से भाजपा दोनों पर जमकर निशाना साध रही है। इसी कड़ी में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह का बयान भी सामने आया है। उन्होंने विनेश और बजरंग पर तंज कसा है। साथ ही कांग्रेस पार्टी और सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर भी जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा- ये तो होना ही था। पूरा देश जानता है कि ये पूरा विरोध कांग्रेस के इशारे पर हो रहा था और इसका मास्टरमाइंड दीपेंद्र हुड्डा परिवार था। इस विरोध की नींव उस दिन रखी गई थी, जब हमारे प्रधानमंत्री ने बृजभूषण शरण सिंह की तारीफ करते हुए कहा था कि कुश्ती सुरक्षित हाथों में है। संजय सिंह ने कहा, ये पूरी साजिश इसलिए भी रची गई क्योंकि ओलंपिक में चार-पांच कुश्ती के मेडल आने वाले थे। विरोध का असर उन मेडल पर भी पड़ा।

जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन के पीछे कांग्रेस का हाथः बृजभूषण

नईदिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस में शामिल होने के एक दिन बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद ने प्रतिक्रिया दी। ऐसे में पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह ने शनिवार को इस कदम पर हमला बोलते हुए कहा कि यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कहते हुए बताया कि उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन राजनीतिक षड्यंत्र के अलावा कुछ नहीं था। पूर्व सांसद ने कहा कि 18 जनवरी, 2023 से जंतर मंतर पर यह प्रदर्शन शुरू हुआ, मैंने कहा था कि यह स्पोर्ट्सपर्सन का नहीं है। इसके पीछे कांग्रेस है, इसमें मुख्य तौर पर भूपेंद्र हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी शामिल थे। यह बात आज साबित भी हो गई है। इस आंदोलन खड़ा करने के पीछे एक षड्यंत्र रचा गया, जो पूरी तरह से हमारे खिलाफ था। कांग्रेस इसके पीछे थी और भूपेंद्र हुड्डा ने इसे लीड किया। मैं हरियाणा के लोगों को बताना चाहता हूं कि भूपिंदर हुडा, दीपेंद्र हुडा, बजरंग या विनेश, ये लड़कियों के सम्मान के लिए धरने पर नहीं बैठे थे।

बृजभूषण के बयान पर पवन खेड़ा का पलटवार

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि जो भी गलत करता है, भाजपा उसके साथ खड़ी होती है और वे भाजपा के साथ हैं। जिसके साथ भी गलत होता है, कांग्रेस उसके लिए लड़ती है और उसकी आवाज उठाती है और आगे भी उठाएगी और इसीलिए वे भी कांग्रेस को पसंद करते हैं। छह खिलाड़ियों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। हमें गर्व है कि हम अपनी बेटियों के साथ खड़े थे, खड़े हैं और खड़े रहेंगे। हमें इस बात का कभी अफसोस नहीं होगा कि हम अपनी बेटियों के साथ खड़े हुए, उन्हें इसका अफसोस होना चाहिए। विनेश फोगट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जंतर-मंतर पर विनेश फोगट के विरोध को प्रायोजित किया।

राहुल लोगों को गुमराह करना बंद करें: शाह

देश में एक ही संविधान और एक ही प्रधानमंत्री : गृहमंत्री

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में ठंड के बीच चुनावी गरमी ने पारा बढ़ा दिया है। पहले चरण के मतदान से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक रैली को संबोधित किया और विरोधियों पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि यहां चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह एक ध्वज, एक संविधान के तहत हो रहे पहले चुनाव हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी)-कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने के लिए अलगाववादियों तथा आतंकवादियों के समर्थकों को रिहा करना चाहता है।

शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एनसी-कांग्रेस तथा पीडीपी, जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद की आग में धकेलना चाहते हैं। कश्मीर ने दशकों तक आतंकवाद का दंश झेला है। मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में आतंकवाद की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई। कांग्रेस-एनसी गठबंधन यहां कभी भी सरकार नहीं बना सकता, इस बात को लेकर आश्वस्त रहें।

अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया कि आपके के पास जम्मू-कश्मीर का स्टेटहुड लौटाने का पावर है? कांग्रेस और एनसी कह रही है कि वे राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। मुझे बताएं कि इसे कौन दे सकता है? यह केवल केंद्र सरकार कर सकती है। पीएम मोदी इसे करने में समर्थ हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को बेवकूफ बनाना बंद करें। हमने कहा है कि चुनाव के बाद उचित समय पर हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देंगे। हमने संसद में यह कहा है। राहुल गांधी को जम्मू-कश्मीर के लोगों को गुमराह करना बंद करना चाहिए।

अमित शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे। अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों के आरक्षण को छूने नहीं देंगे। जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। रैली में जम्मू कश्मीर के लोगों से बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। जब से देश आजाद हुआ। पहली बार जम्मू कश्मीर का मतदाता दो झंडे नहीं, एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेगा। पहली बार, दो संविधान नहीं, भारत के संविधान (जिसको बाबा साहेब अंबेडकर ने बनाया) के अंतर्गत मतदान होने जा रहा है। पहली बार, पूरे जम्मू कश्मीर सूबे में प्रधानमंत्री नहीं बैठ सकता, प्रधानमंत्री एक ही होता है। जिसे कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की जनता चुन कर भेजती है और वो हैं हमारे प्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। आगे कहा कि हमने घर-घर जाकर इनके (नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस) विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। मैंने एक प्रेस वार्ता कर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया था। लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं मीडिया से ज्यादा भरोसा आप पर करता हूं। क्योंकि मैं भी आपकी जमात वाला हूं, मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं। अमित शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है। ये अधिकार आप छीनने दोगे। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए। क्या आप इन क्षत्रों में आतंकवाद को फिर से आने दोगे? हमने उपद्रवियों को जेल में डाल दिया है। वे चाहते हैं कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार फिर से शुरू हो। इससे किसे फायदा होगा? शाह ने आरोप लगाया कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ मिलकर क्षेत्र को आतंकवाद की आग में धकेलने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि तीन परिवारों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा है। अगर नेकां और कांग्रेस सत्ता में आए तो आतंक वापस आ जाएगा। जम्मू को उनके भाग्य का फैसला करना है। अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो हम आतंक को सिर उठाने की इजाजत नहीं देंगे। शांति बहाल होने तक पाकिस्तान के साथ संबंध फिर से शुरू नहीं होंगे। भाजपा के दिग्गज नेता ने यह भी दावा किया कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन का उद्देश्य जम्मू को उसके अधिकारों से वंचित करना और क्षेत्र के लिए स्वायत्तता फिर से शुरू करना है, उन्होंने कसम खाई थी कि ऐसा कभी नहीं होगा। अब कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर में स्वायत्तता के बारे में बात करने की हिम्मत नहीं करेगी।

जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होना है, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

कश्मीरियों को भाजपा के बुलडोजर से डरा रहे हैं उमर अब्दुल्ला

■ चुनावों में धार्मिक मुद्दे भी उठा रहे

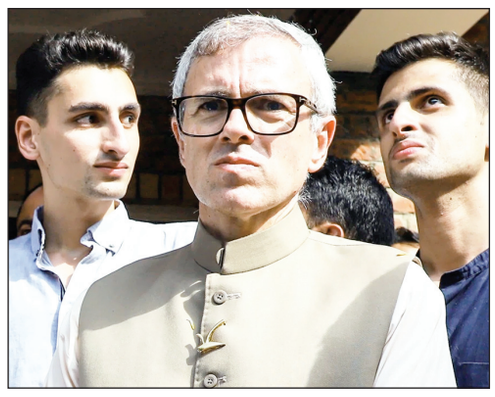

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अब बुलडोजर की एंट्री भी हो गयी है। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर बुलडोजर संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसके जरिये मुसलमानों को डराया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर चुनावों में खुद हार के डर से दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे उमर अब्दुल्ला ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में जिस तरह से हर दिन मुस्लिमों के घरों और दुकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, उसकी समीक्षा की और कहा कि यह गैरकानूनी है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यूपी में जिस तरह से हमारी मस्जिदों, दरगाहों और दुकानों पर ताले लगाए जा रहे हैं, वह भी हमसे छिपा नहीं है।

देखा जाये तो हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त झेलने वाले उमर अब्दुल्ला को लगता है कि वह अनुच्छेद 370 हटने के बाद हो रहे विकास को सराह रही जनता को एक बार फिर धर्म के नाम पर गुमराह कर चुनाव जीत सकते हैं। इसलिए उन्होंने इस चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास करते हुए कहा है कि जिस तरह से असम में भाजपा के शासन में हर बार किसी को अपमानित करने की कोशिश की जाती है वह मुसलमान होते हैं। उन्होंने कहा कि जब असम में बाढ़ आती है, तो कहा जाता है कि यह जिहादी बाढ़ है क्योंकि इसका उद्देश्य मुसलमानों को अपमानित करना है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब कर्नाटक में भाजपा का शासन था तो हमारी माताओं और बहनों से कहा जाता था कि हिजाब हटाओ, घूंघट हटाओ और फिर कॉलेज और स्कूलों के अंदर जाओ। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर को उन ताकतों से बचाना चाहते हैं जो यहां यूपी जैसे हालात बनाना चाहते हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने उमर के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा है कि अब्दुल्ला परिवार की राजनीतिक जमीन अब खिसक चुकी है इसलिए वह बेतुके बयान दे रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने यह भी दावा किया है कि भाजपा शासित केंद्र सरकार उन्हें चुप कराने के प्रयास के तहत जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार उतार रही है। उमर ने कहा, मुझे हमेशा से पता था कि दिल्ली किसी तरह से मुझे चुप कराना चाहेगी, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे इस हद तक जाएंगे। उन्होंने कहा कि बारामूला (लोकसभा चुनाव) में, जब एक व्यक्ति (शेख अब्दुल रशीद) जेल में रहते हुए नामांकन दाखिल करने के बाद मेरे खिलाफ चुनाव में खड़ा हुआ, तो उसने जेल से अपना संदेश रिकॉर्ड किया और भावनाओं के आधार पर वोट मांगे। उसने मुझे चुनाव में हरा दिया। उमर ने कहा कि बारामूला लोकसभा सीट के नतीजों के बाद उन्हें लगा कि किस्मत रशीद के पक्ष में थी और यह मेरी बदकिस्मती थी। उन्होंने पूछा, लेकिन जब मैंने गांदरबल से (विधानसभा) चुनाव लड़ने का फैसला किया, तो खबरें आने लगीं कि एक अन्य नागरिक (सर्जन अहमद वागय उर्फ बरकती) जो जेल में है, मेरे खिलाफ चुनाव लड़ने जा रहा है। मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि ये लोग मेरे पीछे क्यों पड़े हैं। क्या कोई साजिश है? अब्दुल्ला ने कहा कि वह समझ सकते हैं कि रशीद उनके खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़े, क्योंकि वह उसी निर्वाचन क्षेत्र के स्थानीय निवासी हैं।

उन्होंने कहा, जब उन्हें जेल में कोई स्थानीय व्यक्ति (गांदरबल) नहीं मिला, तो वे जैनापोरा-शोपियां से एक व्यक्ति (बरकती) को ले आए। मुझे अब भी लगा कि शायद यह एक संयोग था। मैंने अपने कुछ सहकर्मियों से सलाह ली और उनसे कहा कि मैं यह साबित करना चाहता हूं कि यह मेरे खिलाफ दिल्ली से एक साजिश है। नेकां उपाध्यक्ष ने दावा किया कि यह घटना दिखाती है कि दिल्ली जम्मू-कश्मीर में किसी भी राजनेता को चुप कराने की उतनी कोशिश नहीं कर रही है, खासकर कश्मीर में, जितना वे उमर अब्दुल्ला के साथ करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि जब मैं बोलता हूं तो मैं लोगों के लिए बोलता हूं, मैं उनके मुद्दे उठाता हूं, मैं हमारी गरिमा की बात करता हूं जो हमसे छीन ली गई है। जब मैं अपनी टोपी उतारता हूं तो यह सिर्फ मेरी गरिमा नहीं होती। यह सबकी गरिमा होती है। अब्दुल्ला ने कहा कि जब वह दिल्ली के खिलाफ लड़ते हैं तो यह केवल अपने या अपने परिवार के लिए नहीं बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए होता है।

खेल
प्रमुख समाचार

स्टोक्स और बटलर के बाद इंग्लैंड तेज गेंदबाज बाहर

नईदिल्ली। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और एकदिवसीय-टी20 कप्तान जोस बटलर के बाद तेज गेंदबाज मार्क वुड इंग्लैंड के पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए। इंग्लैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। दाहिनी कोहनी की हड्डी में खिंचाव के कारण बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि 34 वर्षीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान कोहनी में दर्द महसूस किया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट भी खेला था, जिसमें उन्हें दाहिनी जांघ में चोट लग गई थी।

ईसीबी ने कहा कि वुड जांघ की चोट से अच्छी तरह उबर रहे हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट में वुड ने खुलासा किया कि चोट की गंभीरता का पता चलने पर वह नियमित कोहनी स्कैन के लिए गए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी की चोट के कारण इस साल होने वाले बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इस दर्द के बावजूद वह श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच में खेले थे। इस मैच में उनकी दाहिनी जांघ में भी चोट लग गई थी और इस कारण वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि वुड का लक्ष्य अगले साल के शुरू तक पूरी फिटनेस हासिल करना है। तब इंग्लैंड की टीम को सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा करना है जबकि फरवरी में पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को टाटा पावर ने ठेके दिए

नईदिल्ली। टाटा पावर के नेतृत्व वाली ओडिशा डिस्कॉम ने स्थानीय ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को 11,481 करोड़ रुपये के ठेके दिए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि टाटा पावर और ओडिशा सरकार के बीच संयुक्त उपक्रम ने राज्य के बिजली वितरण परिचालन को अपने हाथ में लेने के बाद से पिछले तीन वर्षों में स्थानीय एमएसएमई को 8,690 करोड़ रुपये और डिस्कॉम द्वारा गैर-एमएसएमई को 2,791 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं। ये ठेके सामग्री और सेवाओं जैसी दो प्रमुख श्रेणियों में हैं, तथा स्थानीय ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा डिस्कॉम- टीपी सेंट्रल, टीपी साउथर्न, टीपी नॉर्दर्न और टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड ने 6,645 स्थानीय विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ समझौते किए हैं।

वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट 18 महीनों में खराब सप्ताह

नईदिल्ली। वॉल स्ट्रीट में एक बार फिर भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी रोजगार बाजार के बारे में बहुप्रतीक्षित अपडेट इतना कमजोर आया। ऐसे में पहले ऊंची छलांग लगाने वाले प्रौद्योगिकी शेयरों को फिर से नुकसान उठाना पड़ा। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एसएंडपी 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह मार्च, 2023 के बाद से इसका सबसे खराब सप्ताह रहा। ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों ने बाजार को नीचे गिरा दिया, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि कृत्रिम मेधा के इर्द-गिर्द उछाल में उनकी कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई थीं, और उन्होंने नैस्डैक कंपोजिट को बाजार में 2.6 प्रतिशत तक नीचे खींच लिया। सुबह की 250 अंकों की बढ़त को खत्म करने के बाद डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 410 अंक या एक प्रतिशत की गिरावट आई।

सोमवार को खुलेगा बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ

नईदिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने के लिए तैयार है। साल 2024 का यह सबसे बड़ा आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 सितंबर 2024 यानी अगले सप्ताह बुधवार तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 66-70 रुपये प्रति शेयर तय किया है। बजाज ग्रुप की ये नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी 6,560 करोड़ रुपये का फंड जुटाकर अब पब्लिक होना चाहती है। यह मेनबोर्ड पब्लिक इश्यू ताजा शेयरों और बिक्री के लिए ऑफर का मिला-जुला रूप है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस इस आईपीओ के तहत 3,560 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी करेगी और 3,000 करोड़ रुपये ऑफर फॉर सेल के जरिये जुटाएगी। इश्यू का लगभग ए50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और बाकी 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए रिजर्व है।

आरबीआई का तीन हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने के कारण कार्रवाई की है। इसके तहत तीन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों पर मौद्रिक दंड लगाया है। शुक्रवार को आरबीआई के आधिकारिक बयान के अनुसार, उसने गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पर 3.5 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। नियामक की ओर से यह कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 की धारा 52ए के प्रावधानों के तहत आरबीआई को दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। आरबीआई के अनुसार, इन कंपनियों का वैधानिक निरीक्षण राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) द्वारा 31 मार्च, 2022 तक उनकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था।

खेलों में भारत की स्थिति इतनी खराब क्यों?

पैरिस 2024 पैरालिम्पिक में अभी कुछ दिन बाकी हैं। भारत, खास तौर पर, ओलिम्पिक में हासिल की गई 71वीं रैंकिंग से बेहतर रैंकिंग की उम्मीद कर रहा है। यह आशाजनक लग रहा है। इसके पदकों की संख्या पहले से ही अधिक है। पैरा शूटर अवनी लेखरा का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक देश का अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन रहा है। लेकिन पैरालिम्पिक हो या ओलिम्पिक, भारत अपनी जनसांख्यिकीय ताकत के सापेक्ष वैश्विक खेल मंच पर पिछड़ जाता है। इसने 1900 से ओलिम्पिक में सिर्फ 41 पदक जीते हैं। अकेले संभावना के आधार पर दुनिया के 6 में से 1 व्यक्ति के लिए देश का हालिया प्रदर्शन शर्मनाक है। इसने इस साल ओलिम्पिक में सिर्फ 6 पदक जीते। बेशक, एथलैटिक कौशल लोगों की शक्ति से कहीं अधिक पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, अमरीका ने इस साल के ओलिम्पिक में भारत से 5 गुना अधिक एथलीट भेजे, जबकि उसकी आबादी भारत की आबादी का सिर्फ एक चौथाई है।

दरअसल मुख्य चीनी अर्थशास्त्री रोरी ग्रीन ने पाया कि पैरिस खेलों में पदकों की संख्या में लगभग 90 प्रतिशत अंतर जी.डी.पी. के कारण था। लेकिन, भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। अगर उसके पास लोग और पैसा है, तो वह खेलों में इतना खराब क्यों है? ओलिम्पिक में सफलता जी.डी.पी. के साथ-साथ बढ़ती है क्योंकि यह खेल व्यय के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में कार्य करता है। ग्रीन ने कहा, ''पूंजी गहन खेल, जिसमें जिम्नास्टिक, तैराकी, नौकायन और गोताखोरी शामिल हैं , इस वर्ष उपलब्ध पदकों का 28 प्रतिशत हिस्सा थे।'' अमरीका, चीन और ब्रिटेन इनमें से कई में बेहतर हैं।

'आर्थिक विकास का मतलब अधिक अवकाश समय और खेल संस्कृति का निर्माण भी है।' शारीरिक मनोरंजन पर व्यय लगातार सरकारों के लिए प्राथमिकता नहीं रहा है। परिणामस्वरूप, इच्छुक एथलीटों को खराब फंडिंग और सुविधाओं, कोचिंग और उपकरणों तक पहुंच की कमी के रूप में महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ा है। गरीबी एक चुनौती बनी हुई है। विश्व बैंक के अनुसार, क्रय शक्ति समता के आधार पर भारत का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 10,000 से थोड़ा अधिक है, जो इसे ईराक और एस्वातीनी जैसे देशों से नीचे रखता है। माता-पिता और शिक्षक, स्वाभाविक रूप से, बच्चों को डाक्टर और इंजीनियर जैसे बेहतर वेतन वाले, उच्च-स्थिति वाले व्यवसायों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

वारविक विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफैसर डा. गुरनाम सिंह कहते हैं, ''परंपरागत रूप से, दूसरों के लिए प्रदर्शन करने वाली नौकरियां, जैसे घरेलू काम, नृत्य और खेल अक्सर निम्न स्थिति से जुड़ी होती थीं।'' यहां भी एक आत्म-सुदृढ़ीकरण गतिशीलता है। राष्ट्रीय खेल रोल मॉडल (क्रिकेट और शतरंज से परे) की कमी का मतलब है कि एक एथलीट के रूप में जीवनयापन करने के लिए जोखिम-ईनाम अनुपात प्रतिकूल दिखता रहता है। डिग्री प्राप्त करने, धन संचय करने और परिवार की देखभाल करने की सामाजिक अपेक्षाओं का मतलब है कि भारतीय अपने दैनिक जीवन में साथी देशों की तुलना में खेल के लिए कम समय समर्पित करते हैं। महिलाओं को अलग-अलग दबावों का सामना करना पड़ता है। कम उम्र में शादी करना और बच्चे पैदा करना खेल महत्वाकांक्षाओं में बाधा डालता है और भारत में क्रिकेट भी इतना हावी हो गया है कि बहुत कम लोग दूसरे खेलों की ओर देखते हैं।हालांकि, आशावादी होने के कारण भी हैं। भारतीय अधिकारी खेल द्वारा लाए जाने वाले सॉफ्ट पावर और आर्थिक अवसरों को तेजी से पहचान रहे हैं। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय खेल बजट में वृद्धि हुई है, और 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रम, जिसे 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लांच किया गया था, का उद्देश्य युवा खेल प्रतिभाओं को खोजना और उनका पोषण करना है। व्यवसाय भी भारत के खेल के सामान और दर्शकों के बड़े, युवा बाजार का लाभ उठाना चाहते हैं।

माता कौशल्या मंदिर के निर्माण में भ्रष्टाचार कांग्रेस की काली करतूतों का एक और शर्मनाक नमूनाः भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने राजधानी से महज 25 किलोमीटर दूर चंदखुरी में कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल में तीन साल पहले बने माता कौशल्या के मंदिर निर्माण में किए गए भ्रष्टाचार के सामने आने पर कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा है कि कांग्रेस के भ्रष्ट राजनीतिक चरित्र को बेनकाब करतीं उसकी काली करतूतों का यह एक और शर्मनाक नमूना है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व के एकमात्र माता कौशल्या मंदिर के नाम पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जो ढोल पीटते नहीं अघा रहे थे, उस ढोल की पोल मंदिर की छत से भ्रष्टाचार की बूंदों के रूप में टपकते पानी से खुल रही है, जिससे मंदिर परिसर में पानी का जमाव हो गया है। अब तो मंदिर के पत्थर तक गिरने लगे है यह बेहद दुखदाई और शर्मनाक है।कांग्रेस को कौशल्या माता मंदिर के

निर्माण में भ्रष्टाचार करते शर्म क्यों नही आई?

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने अपने शासनकाल में पैसे की हवस का शिकार भगवान तक को भी बना डाला और छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने में यह कसर भी बाकी नहीं रखी। छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है और इस पर हम सब छत्तीसगढ़वासी गर्व करते हैं। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या के नाम से जाना जाता है, छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा माता कौशल्या से है। उन्हीं माता कौशल्या के मंदिर को बनाते समय कांग्रेस ने भ्रष्टाचार कर अपनी पैसे की जो हवस दिखाई है, उससे फिर एक बार यह प्रमाणित हुआ है कि कांग्रेस विश्व का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी दल है, जो भगवान को भी नहीं छोड़ रहा है! यह कृत्य बेहद शर्मनाक है, इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार हिंदू भावनाओं को आहत करने का काम किया है। उसके हर कृत्य में यह झलकता रहा है कि कांग्रेस हिंदुओं से नफरत करती है। भगवान राम का मंदिर अयोध्या में न बन पाए, इसका पूरा प्रयास कांग्रेस ने किया था। और अब, छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या के मंदिर को बनाने में जो कांग्रेस की भूपेश सरकार ने भ्रष्टाचार किया है, तो कांग्रेस ने फिर से एक बार यह प्रमाणित किया है कि कांग्रेस राम विरोधी है, सनातन विरोधी है.

भ्रष्टाचारी है और प्रदेश की जनता कांग्रेस की भूपेश सरकार के भ्रष्ट राजनीतिक चरित्र के परिचायक ऐसे कृत्यों पर थू-थू कर रही है। श्री श्रीवास्तव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर भी हमलावर होते हुए कहा कि अपनी पिछली सरकार के भ्रष्ट कारनामों पर बैज मुँह में दही जमाए बैठे हैं और इस भ्रष्टाचार के कारण मंदिर की प्रसिद्धि व प्रतिष्ठा के धूमिल होने की चिंता करने के बजाय मिथ्या प्रलाप कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में सीमेंट के दाम में आसमानी छलांग

सांसद अग्रवाल ने लिखी सीएम, केंद्रीय वित्त मंत्री को चिट्ठी, कहा-

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सीमेंट की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोत्तरी पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को एक पत्र लिखा है, जिसमें सीमेंट की बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की है। पत्र में सांसद ने उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ खनिज, लौह, कोयला, और ऊर्जा संसाधनों से भरपूर है, इसके बावजुद सीमेंट कंपनियों ने 3 सितंबर 2024 से कीमतों में एकाएक वृद्धि की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सीमेंट कंपनियों ने एक कार्टल बनाकर सीमेंट की कीमतें 50 रुपए प्रति बोरी तक बढ़ा दी हैं, जो कि प्रदेश की जनता पर सीधा आर्थिक बोझ डाल रही है। सांसद ने पत्र में आगे उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ की सरकार को सीमेंट फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कीमतों की वृद्धि को वापस कराकर आम जनता को राहत दिलाने की आवश्यकता है।

प्रदेश में सीमेंट कंपनियों को खनिज, कोयला, ऊर्जा, और सस्ती बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, फिर भी कीमतों में वृद्धि सीधे-सीधे छत्तीसगढ़ की जनता के लिए भार है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदेश में सीमेंट का मासिक उत्पादन लगभग 30 लाख टन (8 करोड़ बैग) है। 3 सितंबर 2024 से पूर्व सीमेंट की कीमतें लगभग 260 रुपए प्रति बोरी थीं, जो अचानक एक दिन में 310 रुपए कर दी गई हैं। सरकारी और जनहित के प्रोजेक्ट्स के लिए मिलने वाला सीमेंट भी 210 रुपए से बढ़ाकर 260 रुपए प्रति बोरी कर दिया गया है। सांसद अग्रवाल ने अपने पत्र में सीमेंट की कीमत में वृद्धि पर चिंता जताते हुए यह भी बताया कि कीमत वृद्धि का असर छत्तीसगढ़ में चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, जैसे सड़क, भवन, पुल-पुलिया, नहर, स्कूल, कॉलेज, और पीएम आवास योजना पर भी पड़ेगा। इस अचानक की गई वृद्धि से शासकीय प्रोजेक्ट्स की लागत बढ़ जाएगी और गरीबों के लिए घर बनाना कठिन हो जाएगा, जो कि राज्य और देश के हित में नहीं है। सांसद ने केंद्रीय वित्त मंत्री, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अनुरोध किया है कि इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सीमेंट कंपनियों को कीमतों की वृद्धि को तुरंत वापस लेने के निर्देश जारी करें, ताकि छत्तीसगढ़ की जनता को राहत मिल सके।

सरकार की योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को शामिल करना : उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सरकार समाज को आगे बढ़ाने लगातार कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम नवागांव में पटेल भोयारा मरार सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने सामाजिक भवन निर्माण के लिए समाज को बधाई और शुभकामनाएं दी। उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक शौचालय के लिए 7 लाख और बोर खनन, ग्राम नवागांव में शीतला मंदिर के पास मंच निर्माण के लिए 4 लाख और सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि पटेल समाज द्वारा एक जुटता से बनाया गया यह सामाजिक भवन समाज की एकता को प्रदर्शित करता है। छत्तीसगढ में समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार समाज को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरकार की योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में

शामिल करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक भवनों और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं के माध्यम से समाज के उत्थान और समृद्धि को सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक समाज का एक सामाजिक भवन होना चाहिए। इससे समाज के नागरिकों को विभिन्न आयोजनों के लिए एक स्थिर स्थान उपलब्ध रहेगा और वे अनेक कार्यक्रम यहां आयोजित कर सकेंगे। सामाजिक भवन समाज की सामाजिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ऐसा स्थान प्रदान करता है जहां लोग मिल सकते हैं, संवाद कर सकते हैं और सामूहिक प्रयासों के लिए एकजुट हो सकते हैं। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि गांव को नशा से मुक्त करने के लिए नशा मुक्ति अभियान चलाया जाना चाहिए जिसमे समाज की भागीदारी बनी रहे। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़कर नशामुक्त समाज की दिशा में प्रयास करें। नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज के विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। इसलिए, सभी को एकजुट होकर इस समस्या का समाधान करना चाहिए ताकि गांव का हर नागरिक स्वस्थ और सशक्त बन सके।

टेंपल एस्टेट कमेटी श्रद्धालुओं के लिए जल्द जारी करेगी मां दंतेश्वरी के 10 ग्राम के चांदी के सिक्के

दंतेवाड़ा। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के श्रद्धालुओं के लिए दंतेश्वरी मंदिर प्रबंधन टेंपल एस्टेट कमेटी ने मां दंतेश्वरी के 10 ग्राम के चांदी के सिक्के जारी करने का निर्णय लिया है, चांदी के सिक्के पर एक तरफ मां दंतेश्वरी और दूसरी तरफ मंदिर का चित्र अंकित होगा। विदित हो कि मां दंतेश्वरी मंदिर की दानपेटियों में श्रद्धालुओं द्वारा नगद और सोने-चांदी के आभूषण अर्पित किये जाते हैं, नगद राशि को टेंपल एस्टेट कमेटी के द्वारा बैंक खाते में जमा कर दिया जाता है, जबकि सोने-चांदी के आभूषण सरकारी खजाने में जमा किये जाते हैं। मंदिर प्रबंधन टेंपल एस्टेट कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार मंदिर के खजाने में अब तक 36 किलोग्राम चांदी जमा हो चुकी है, और इसे रखने की जगह की कमी हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए, मंदिर समिति ने दान में मिली चांदी का उपयोग सिक्कों के निर्माण में करने का निर्णय लिया है। इस पहल से न केवल दान में मिली चांदी की खपत के साथ अतिरिक्त आय भी होगी, वहीं श्रद्धालुओं द्वारा खरीदे गए सिक्कों की राशि मंदिर प्रबंधन टेंपल एस्टेट कमेटी के बैंक खाते में जमा की जाएगी। मां दंतेश्वरी मंदिर टेंपल एस्टेट कमेटी के पदेन सचिव एसडीएम जयंत नाहटा ने बताया कि पहले चरण में टेंपल एस्टेट कमेटी 10 किलो चांदी से 10-10 ग्राम के सिक्के बनाये जायेंगे। श्रद्धालु इन सिक्कों को एक निश्चित मूल्य पर खरीद सकेंगे और इसे स्मृति चिह्न या यादगार के रूप में अपने पास रख सकेंगे। उन्होने बताया कि जल्द ही सिक्कों की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी जाएगी।

नक्सल प्रभावित जिलों के लाभार्थियों को मिलेगा केन्द्र-राज्य की योजनाओं का लाभ

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने शनिवार को मंत्रालय में बस्तर संभाग के कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा जिले में शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्ला नार योजना के तहत वहां के निवासियों को मिल रही बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। जैन ने नक्सल प्रभावित जिले मोहला-मानपुर-चौकी, गरियाबंद और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई सहित अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में केन्द्र और राज्य सरकार की चयनित योजनाओं के अंतर्गत शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव जैन ने बैठक में नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों में लोगों की सभी बुनियादी सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों का डॉटा रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा

कि सुविधा प्रदान करने वाले सभी विभागीय सचिवों के पास कार्ययोजना एवं दी जा रही सुविधाओं की सभी जिलों में प्रत्येक घर की अद्यतन जानकारी होना चाहिए। मुख्य सचिव ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को योजना क्षेत्र के गांवों में सभी हितग्राहियों को राशन कार्ड पर चावल, गुड़, चीनी, चना इत्यादि सामग्री अनिवार्य रूप से मिले, इसकी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर संभागायुक्त को नियद नेल्ला नार योजना की सतत निगरानी करने को कहा।

मुख्य सचिव ने बैठक में सामूहिक एवं व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा, 500 यूनिट मुफ्त बिजली, किसान सम्मान निधि, कृषि उपकरण, सिंचाई सोलर पंप और किसानों के खेतों में बोरवेल की सुविधा के बारे में कलेक्टरों से जानकारी ली। उन्होंने हाई मास्ट लाइट स्थापना, उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन, निःशुल्क सामग्री, पेयजल, नल से जल, जल जीवन मिशन, कौशल विकास प्रशिक्षण, खेल सामग्री, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास, बारहमासी सड़कों की सुविधा, पीएम किसान सम्मान निधि तथा आयुष्मान कार्ड सहित मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक एटीएम सुविधा की भी जानकारी ली।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय अच्छा काम कर रहे हैं: हेमा

रायगढ़। स्वप्न सुंदरी पद्मश्री हेमा मालिनी आज चक्रधर समारोह में प्रस्तुति देने रायगढ़ पहुंची है. अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी डबल इंजन की सरकार है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विष्णुदेव साय अच्छे कार्य कर रहे हैं. स्वप्न सुंदरी हेमामालिनी ने जिंदल गेस्ट हाउस में वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ पत्रकारों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्रीय योजनाओं के साथ-साथ उनके द्वारा प्रदेश के लिए किए गए वायदों के अनुरूप छत्तीसगढ़ में काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वह कई बार रायगढ़ और छत्तीसगढ़ दौरा कर चुकी है. चक्रधर समारोह में दूसरी बार प्रस्तुति देने के संबंध में हेमामालिनी ने कहा कि फिल्मी पर्दे में काम करने वाले आम जनता से जुड़ नहीं सकते. मैं तो स्टेज शो भी करती हूं इसलिए आम जनता से जुड़ाव ज्यादा है. अगर अच्छा रोल मिले तो अभी भी फिल्म में काम करने को तैयार हूं.

पंडाल में रखी गणेश प्रतिमा के साथ तोड़ फोड़

रायपुर। रायपुर में गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले शुक्रवार की रात में लाखेनगर में सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडाल में रखी गणेश प्रतिमा को तोडने की घटना पर आक्रोशित युवाओं ने देर रात आजाद चौक थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने फौरन आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार घटना लाखे नगर के पास सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडाल में गणेश चतुर्थी से एक दिन पूर्व रात की है जहां रखी गई गणेश प्रतिमा के निचल हिस्से को एक युवक ने तोड़ दिया। जब समिति के सदस्यों ने ऐसा करने से मना किया तो युवक उनके साथ बतमीजी से पेश आया और अपशब्द कहने लगा। कुछ देर हंगामा करने के बाद वह वहां से फरार हो गया। इसके बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग आजाद चौक थाने पहुंचकर थाने का घेराव किया। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी पश्चिम दौलत राम पोर्ते, एएसपी अनुराग झा, सीएसपी अमन झा समेत 4 थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे।

ई-ऑफिस सेवा शुरू, मंत्री चौधरी ने किया शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ जीएसटी विभाग ने सरकारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और सुधार के लिए ई-ऑफिस सेवा की शुरुआत की है। वित्त एवं वाणिज्यिक मंत्री ओपी चौधरी ने कल पहली बार विभागीय फाइल का ऑनलाइन निपटारा कर इसका शुभारंभ किया। वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग के मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर विभाग में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर का क्रियान्वयन शुरू किया गया है। इस सॉफ्टवेयर आधारित ऑनलाइन प्रणाली के तहत, मंत्रालय की सभी फाइलें अब ई-ऑफिस के माध्यम से प्रेषित की जाएंगी। ई-ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत, प्रत्येक फाइल का डिजिटल रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा, जिससे फाइलों की ट्रैकिंग और प्रबंधन में सुधार होगा। इस प्रणाली के जरिए लंबित फाइलों की स्थिति को सीधे निगरानी में रखा जा सकेगा, जिससे फाइलों का त्वरित निपटान सुनिश्चित होगा। नई प्रणाली से विभागीय प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी और दक्ष हो जाएंगी। अब तक की पुरानी प्रणाली में फाइलों को लंबित रखने की प्रवृत्ति समाप्त होगी, और फाइलों का त्वरित निपटान संभव होगा। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार होगा और सुशासन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साथ ही, यह प्रणाली भ्रष्टाचार की संभावना को कम करेगी.

55 पार वाले को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तबादला नहीं

बिलासपुर। शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर आई है। हाई कोर्ट ने 55 वर्ष से अधिक उम्र वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को नक्सल प्रभावित और अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानांतरित न करने का आदेश दिया है। यह फैसला महासमुंद जिले की लेखाधिकारी कविता चिंचोलकर की याचिका पर सुनवाई के दौरान लिया गया, जिनका तबादला महासमुंद से कांकेर जिले में किया गया था। महासमुंद निवासी कविता चिंचोलकर, जो वित्त विभाग में लेखाधिकारी के पद पर कार्यरत थीं, का 16 अगस्त 2024 को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कांकेर जिले में स्थानांतरण किया गया। कविता ने इस आदेश को चुनौती देते हुए बिलासपुर हाई कोर्ट में अधिवक्ता अभिषेक पांडेय और देवांशी चक्रवर्ती के माध्यम से याचिका दायर की। याचिका में यह तर्क दिया गया कि वर्तमान में कविता चिंचोलकर की उम्र 61 वर्ष और 7 माह है, और 31 जनवरी 2025 को वह सेवानिवृत्त होने वाली हैं। उन्होंने कहा कि इस उम्र में नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में काम करना उनके लिए मुश्किल होगा और इससे उनकी सेवानिवृत्ति संबंधी प्रक्रियाओं में भी देरी हो सकती है। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 3 जून 2015 को जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि 55 वर्ष से अधिक उम्र वाली महिला शासकीय कर्मचारियों को नक्सल प्रभावित और अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

बार में लड़कियों के लिए फ्री शॉट्स का ऑफर

बिलासपुर। शहर में दो बारों पर अश्लील विज्ञापन देकर लड़कियों को फ्री शराब का ऑफर देने और युवाओं को नशे के लिए प्रेरित करने के आरोप में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। तंत्रा और ओमिगोज बार ने सोशल मीडिया पर फ्री अनलिमिटेड शॉट्स फॉर गर्ल्स जैसे अश्लील और कामोत्तेजक पोस्ट किए थे, जिससे लड़कियों और महिलाओं को आकर्षित किया जा रहा था। कुछ युवतियों ने इस अश्लील विज्ञापन की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों बारों के खिलाफ केस दर्ज किया। बार संचालकों पर यह आरोप है कि वे हर सप्ताह महिलाओं को फ्री ड्रिंक्स का ऑफर देकर उन्हें नशे की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया विज्ञापन में, जहां डेडिकेटेड नाइट फॉर लेडीज जैसी लाइनों का उपयोग किया गया, वहीं एक दुल्हन के चित्र का इस्तेमाल कर परंपरा और संस्कृति का भी अपमान किया गया। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने तंत्रा और ओमिगोज बार में रेड की।

बस्तर में गिद्धों के लिए गिद्ध रेस्टारेंट खोलने व जियो टैगिंग हेतु केंद्रीय पर्यावरण ने वन मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

बीजापुर। जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पिछले तीन वर्ष में गिद्धों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी से उत्साहित प्रबंधन ने गिद्धों का कुनबा बढ़ाने गिद्ध रेस्टारेंट नाम से योजना तैयार की है। इसमें गिद्धों के लिए 20 से अधिक नए आहार स्थल बनाना प्रस्तावित किया है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व बस्तर में गिद्धों के लिए गिद्ध रेस्टारेंट खोलने व जियो टैगिंग का प्रस्ताव केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व प्रबंधन का मानना है, उक्त योजना गिद्धों की संख्या बढ़ाने में मददगार हो सकती है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व

प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसाार वर्ष 2021 में इंद्रावती टाइगर रिजर्व के इलाके में गिद्धों की संख्या 55 थी, जो अब बढ़कर 200 से अधिक हो गई है और लगातार बढ़ रही है। गिद्ध संरक्षण की शुरुआत स्थानीय युवाओं को गिद्ध मित्र बनाकर की गई, जो गिद्धों की निगरानी करने और ग्रामीणों को जागरूक करने का काम करते हैं। गिद्ध मित्र और पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से ग्रामीणों के मवेशियों का इलाज अब एलोपैथिक दवाओं की बजाय जड़ी-बूटियों से किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक परिणाम हमारे सामने है। गिद्ध मित्र मृत मवेशियों को गांव से दूर जंगल में चिन्हित स्थानों पर छोड़ते हैं, ताकि गिद्धों को पर्याप्त आहार मिल सके। आहार की उपलब्धता बढने से तीन गिद्ध प्रजातियां, इंडियन गिद्ध, व्हाइट ट्रम्पड गिद्ध, और ग्रिफ्फान गिद्ध, अब यहां दिखाई देने लगी हैं। इसका उद्देश्य गिद्धों के लिए ऐसे क्षेत्र विकसित करना है, जहां मानवीय बाधा को कम कर गिद्धों के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध कराए जा सकें। गिद्धों की जियो टैंगिंग भी की जानी है, जिससे गिद्धों के बारे में जानकारी एकत्र की जा सकी। इस जानकारी के उपयोग से गिद्धों के लिए बेहतर पर्यावास विकसित करने की योजना है।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व के निदेशक सुदीप बलगा ने बताया कि बस्तर संभाग के इस इलाके में गिद्धों की संख्या बढ़ाने शुरू की गई योजना से उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। बस्तर में गिद्धों को आहार उपलब्ध कराने गिद्ध रेस्टारेंट खोलने का प्रस्ताव पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा गया है। इसके साथ ही गिद्धों पर अध्ययन के लिए जियो टैगिंग की भी योजना तैयार की गई है।

नेत्रदान को पारिवारिक परम्परा बनायेः डॉ. मिश्र

भारत में 1 करोड़ 20 लाख लोग पूरी तरह से हैं दृष्टिहीन

रायपुर। एक व्यक्ति के नेत्रदान के द्वारा दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश आ सकता है, स्वयं तथा अपने परिवार के सदस्यों को नेत्र दान के लिए प्रेरित कर नेत्र दान को अपनी पारिवारिक परम्परा बनाएं। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अवसर पर रामकृष्ण शिक्षण संस्थान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ दिनेश मिश्र (नेत्र रोग), डॉ वी पी पाठक (जनरल फिजिशियन), डॉ सृष्टि मिश्र(त्वचा रोग विशेषज्ञ)डॉ सुरभि मिश्र(कान नाक गला,) डॉ अबीर मिश्र (डेंटल सर्जन) ने निशुल्क सेवाएं दीं।

डॉ दिनेश मिश्र ने नेत्रदान के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए कहा कि किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के

कठिनाई भरे जीवन का अंदाज सिर्फ आप कुछ पलों के लिए अपनी आँखें बंद कर ही लगा सकते हैं आँखें बंद करते ही मन में एक भय व असुरक्षा की भावना समाज जाती है और तत्काल आँखें खोलने पर मजबूर हो जाते हैं। प्रकाश व दृष्टि से परे, जीवन का एक दूसरा रूप यह भी जानिए कि पूरी दुनिया में करीब 3 करोड़ लोग पूरी तरह से दृष्टिहीन हैं। भारत में 1 करोड़ 20 लाख लोग पूरी तरह से दृष्टिहीन हैं। 80 लाख लोगों की एक आँख खराब है तथा 4-5 करोड़ लोग कम दृष्टि के कारण घर से बाहर निकलने, मन-माफिक काम करने, चलने-फिरने से पूरी तरह बाधित हैं।

प्रकृति ने जीव को दृष्टि एक ऐसा अमूल्य उपहार दिया है जिसकी कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती है। जिस अंधकार में हम एक क्षण बिताने की कल्पना नहीं कर सकते, उसी गहन अंधकार में कितने ही लोग जिन्दगी गुजारने को मजबूर हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.